हिन्दी दैनिक

R.N.I.NO.UPHIN/2014/59804

प्रयाग दर्पण

वर्ष : 08 | अंक : 130 | प्रयागराज, बुधवार 17 अगस्त , 2022 | हिन्दी दैनिक | पृष्ठ–4 | मूल्य : 2 रुपया

स्वतंत्रता दिवस पर सपा, बसपा और कांग्रेस ने फहराया तिरंगा

लखनऊ। स्वतंत्रता दिवस पर लखनऊ के जनेश्वर मिश्र पार्क में सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने तिरंगा फहरा कर सभी को बधाई दी। कांग्रेस विधायक दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने लखनऊ के कार्यालय में ध्वजारोहण किया। बसपा प्रमुख मायावती ने कहा, देश की स्वतंत्रता का यह साल अपार खुशी का मौका जरूर है, लेकिन इसके जश्न में चार चांद लग जाता है। अगर देश की 125 करोड़ जनता पर बढ़ती महंगाई, जानलेवा गरीबी, बेरोजगारी, अशिक्षा और स्वास्थ्य आदि की चिंताओं से मुक्त होकर सबसे हर दिन त्रस्त न होती। अखिलेश यादव ने कहा कि निजी स्वार्थ के लिए कुछ सरकारें हिंदू–मुसलमान और आपसी भाईचारा बांट रहे हैं। इससे सावधान रहने की जरूरत है। आज हालात देश में ऐसे हो गए हैं कि महंगाई, बेरोजगारी से जनता त्रस्त हो गई है। सरकार को इस पर ध्यान देना चाहिए। देश के सामने आज चुनौतियां भी हैं और चिंता करने का समय भी है।

देश के लाल किले पर खड़े होकर जो संकल्प लिए जाएं। वह जनता के लिए पूरे जरूर किए जाएं। नोएडा की घटना पर सवाल करने पर अखिलेश यादव ने कहा कि यह बहुत ही निंदनीय घटना है। देखा जा सकता है कि किस तरीके से किसी को बदनाम करने के लिए अधिकारी पार्टी वर्कर के तरीके से नाम ले रहे हैं। राजस्थान में दलित युवक की पिटाई के मामले पर अखिलेश यादव ने कहा कि आज जाति और भेद भाव से समाज पीछे जा रहा है। हमें बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के संविधान को ध्यान में रखते हुए सबको साथ लेकर चलना चाहिए। बसपा प्रमुख मायावती ने 75 में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर बयान जारी करते हुए केंद्र और राज्य सरकार को घेरा है। मायावती ने कहा कि देश और दुनिया भर में रहने वाले समस्त भारतवासियों को 75वीं वर्षगांठ की हार्दिक शुभकामनाएं। दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश होने के नाते भारत सरकार की यहां के करोड़ों लोगों के चयनित जनकल्याण सुख, शांति समृद्धि व सुरक्षा के प्रति संवैधानिक जिम्मेदारी भी उतनी ही विशाल व विशेष है। जिस पर खरा और ईमानदार उतरने के अपने कर्तव्य उत्तरदायित्व से कोई भी सरकार किसी बहाने से मुक्ति नहीं पा सकती है। मायावती ने कहा कि इन खास बुलंदी मुद्दों के प्रति अपनी संवैधानिक चिंता प्रयास संघर्ष योगदान को हर हाल में जरूरी जारी रखना है। क्योंकि इसी में ही देश और देशवासियों की इज्जत शोहरत और बुलंदी है।

केनरा बैंक के अंचल कार्यालय में हर्षोल्लास के साथ मनाया स्वतंत्रता दिवस

लखनऊ। गोमती नगर स्थित केनरा बैंक के अंचल कार्यालय में आजादी का अमृत महोत्सव काफी धूमधाम से मनाया गया। स्वतंत्रता के पचहत्तरवीं वर्षगांठ के अवसर पर अंचल कार्यालय में बैंक के महा प्रबन्धक आलोक कुमार अग्रवाल ने ध्वजारोहण किया। उन्होनें अपने संबोधन में कहा कि जब प्रत्येक नागरिक के व्यक्तित्व में विकास होगा तभी समाज व देश का समुचित विकास होगा। इस अवसर पर सभी अधिकारियों व कर्मचारियों ने कार्यालय में स्थापित केनरा बैंक के संस्थापक स्व0 अमोम्बल सुब्बा राय पई की मूर्ति पर माल्यार्पण कर अपनी श्रद्धांजलि भी अर्पित की। इस अवसर पर बैंक के सभी अधिकारियों व कर्मचारियों ने हाथों में तिरगां लेकर एक तिरगां यात्रा भी निकाली। साथ ही बच्चों के लिये विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसके विजेताओं को प्रथम, द्वितीय व तश्तीय पुरस्कार प्रदान किये गये। इस मौके पर संजय पंजियारा का देश भक्ति से परिपूर्ण गीतों को सुनाकर सबका मन मोह लिया।

पंजाब पुलिस की गाड़ी से मिला बम, सामने आई सीसीटीवी तस्वीरें

अमृतसर। पंजाब के अमश्तसर से बड़ी खबर सामने आ रही है। दरअसल, यहां के रंजीत एवेन्यू सी ब्लॉक घड़ी एक पुलिस की गाड़ी में दो नकाबपोश युवक बम ईमप्लांट कर मौके से फरार हो गए। सी.सी.टी.वी. फुटेज के सामने आने के बाद पुलिस विभाग में हड़कंप की स्थिति पैदा हो गई मौके पर पहुंचे पुलिस अधिकारियों व बम निरोधक दस्ते ने जीप के नीचे से प्लांट किया गया बम कब्जे में ले लिया है। बताया जा रहा है कि सी.आई.ए. स्टाफ में तैनात सब इंस्पेक्टर दिलबाग सिंह बागा के घर के बाहर जीप खड़ी थी जिसमें दो नकाबपोश युवकों द्वारा बम ईमप्लांट किया गया। पिछले लंबे समय से इंस्पेक्टर दिलबाग अमश्तसर में तैनात हैं और अलग–अलग थानों में कई अपराधियों को पकड़ चुके हैं। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि सब इंस्पेक्टर दिलबाग के घर के बाहर खड़ी गाड़ी में ही क्यों बम लगाया गया। पुलिस का एक बड़ा दस्ता रंजीत एवेन्यू में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को खंगाल रहा है पुलिस यह भी जानने का प्रयास कर रही है कि मोटरसाइकिल पर सवार हो बॉम्ब इन प्लांट करने आए यह दोनों युवक कहां से आए और कहां को फरार हुए हैं। सुरक्षा को लेकर पुलिस की कारगुजारी पर इन दो नकाबपोश युवकों ने एक बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है।

अर्धसैनिक बलों के ट्रकों में अवैध पैसा लाती है भाजपा : गहलोत

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने आरोप लगाया है कि केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अपने दफ्तरों में श्अवैध धनश लाने के लिए अर्धसैनिक बलों के ट्रकों का दुरुपयोग करती है। उन्होंने कहा है कि जहां कहीं भी भाजपा की सरकार होती है, वहां अर्धसैनिक बल या पुलिस के ट्रक पार्टी के मुख्यालय में जमा करने के लिए बक्सों में पैसा भरकर ले आते हैं। वहीं, भाजपा ने मुख्यमंत्री के इस आरोप को बेबुनियाद बताते हुए कहा है कि गहलोत ऐसे बयान देकर देश की आंतरिक सुरक्षा में तैनात अर्धसैनघ्कि बलों व पुलिस के जवानों की भावनाओं को ठेस पहुंचा रहे हैं। गहलोत ने सोमवार को जयपुर में शहीद स्मारक पर स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में कांग्रेस द्वारा आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, ये (भाजपा वाले) क्या करते हैं, मालूम है आपको? ये अर्धसैनिक बलों या पुलिस वालों को पकड़ते हैं, जहां इनकी सरकारें होती हैं। ट्रक में बक्प्से भरकर पैसा लाते हैं, उसे भाजपा के दफ्तर के पिछले हिस्से में ले जाते हैं और फिर बक्से उतारकर अंदर पहुंचाते हैं। गाड़ी पुलिस की होती है, उसे पकड़े कौन? लोग सोचते हैं इनके रंगरूट आए होंगे मदद करने। गहलोत ने आगे कहा, यह बहुत बड़ा षड्यंत्र है देश के साथ। लेकिन कांग्रेस कार्यकर्ताओं को घबराने की जरूरत नहीं है, सच्चाई आपके साथ है। वहीं, भाजपा नेता और विधानसभा में उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने गहलोत पर पलटवार करते हुए उनके आरोपों को बेबुनियाद बताया। उन्होंने मंगलवार को कहा, मुख्यमंत्री गहलोत ने अपनी आदत के अनुसार भाजपा शासित राज्यों में अर्धसैनिक बलों व पुलिस के सहयोग से ट्रकों में दो नंबर का पैसा भरकर भाजपा के दफ्तरों में पहुंचाने का जो बेबुनियाद आरोप लगाया है, उसकी मैं कड़ी निंदा करता हूं। मुख्यमंत्री ऐसे बचकाने बयान देकर देश की आंतरिक सुरक्षा में तैनात अर्धसैनिक बलों व पुलिस के जवानों की भावनाओं को ठेस पहुंचा रहे हैं। भाजपा नेता ने सवाल किया, अगर मुख्यमंत्री जी के पास कोई ठोस सबूत है तो वह सार्वजनिक क्यों नहीं करते? इतने दिनों तक चुप क्यों रहे।

प्रधानमंत्री सहित कई नेताओं ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को दी जन्मदिन की बधाई

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और दिल्ली के उपराज्यपाल वी. के. सक्सेना सहित कई नेताओं ने मंगलवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जन्मदिन की बधाई दी। केजरीवाल मंगलवार को 54 साल के हो गए। प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट किया, '' दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जन्मदिन की बधाई। मैं उनके लंबे जीवन और उत्तम स्वास्थ्य की कामना करता हूं। प्रधानमंत्री की शुभकामनाओं पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए केजरीवाल ने लिखा, '' धन्यवाद सर। दिल्ली के उपराज्यपाल वी. के. सक्सेना ने ट्वीट किया, '' दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जन्मदिन की बधाई। उनके अच्छे स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना करता हूं। दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने '' केजरीवाल के शिक्षा मॉडल'' की सराहना करते हुए ट्विटर पर एक खबर साझा की, जिसमें निजी स्कूलों से सरकारी स्कूलों में दाखिला लेने वाले छात्रों की जानकारी दी गई थी।उन्होंने लिखा, '' निजी स्कूलों से स्थानांतरित होने वाले छात्रों का ब्योरा दिल्ली सरकार की (सफलता की) कहानी कहता है। यह अरविंद केजरीवाल का शिक्षा मॉडल है, जो भारत को अव्वल देश बनाने के लिए जरूरी है। जन्मदिन मुबारक हो अरविंद केजरीवाल सर। आप के राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा ने भी केजरीवाल को जन्मदिन की बधाई दी और उन्हें अपना गुरु बताया। चड्ढा ने ट्वीट किया, '' दिल्ली के लाखों बच्चों का भविष्य संवारने वाले, राजनीति की परिभाषा बदलने वाले मेरे गुरु, दिल्ली के यशस्वी मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी को उनके जन्मदिन की ढेरों शुभकामनाएं। प्रभु आपको अच्छा स्वास्थ्य, लंबी आयु और ढेर सारी खुशियां दें, ऐसी प्रार्थना करता हूं। दिल्ली के मंत्री कैलाश गहलोत और राजेंद्र पाल गौतम ने भी केजरीवाल को जन्मदिन की बधाई दी। गहलोत ने कहा, '' दूरदर्शी नेता एवं मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी को जन्मदिन की बधाई। भगवान आपको दीर्घायु और उत्तम स्वास्थ्य दे।

भारत में कोविड-19 के 8,813 नए मामले, उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटी

नई दिल्ली। भारत में एक दिन में कोविड–19 के 8,813 मामले आने से संक्रमण के कुल मामलों की संख्या बढ़कर 4,42,77,194 पर पहुंच गयी है जबकि उपचाराधीन मरीजों की संख्या कम होकर 1,11,252 हो गयी है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मंगलवार को सुबह आठ बजे तक अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, संक्रमण से 29 और मरीजों के जान गंवाने से मश्तकों की संख्या बढ़कर 5,27,098 हो गयी है। इनमें केरल द्वारा पुनर्मिलान किया गया मौत का एक मामला भी शामिल है। आंकड़ों के मुताबिक, उपचाराधीन मरीजों की संख्या में एक दिन में 6,256 मामलों की कमी दर्ज की गयी है जबकि कोविड–19 से स्वस्थ होने की राष्ट्रीय दर 98.56 प्रतिशत है। इस बीमारी से उबरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 4,36,38,844 हो गयी है जबकि मश्त्यु दर 1.19 प्रतिशत हो गयी।

तीन तलाक की तरह नहीं है 'तलाक-ए-हसन' : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि मुस्लिमों में 'तलाक–ए–हसन' के जरिए तलाक देने की प्रथा तीन तलाक की तरह नहीं है और महिलाओं के पास भी 'खुला' का विकल्प है। 'तलाक–ए–हसन' में तीन महीने में तीन बार एक निश्चित अंतराल के बाद तलाक बोलकर रिश्ता खत्म किया जाता है। इस्लाम में पुरुष 'तलाक' ले सकता है, जबकि कोई महिला 'खुला' के जरिए अपने पति से अलग हो सकती है। जस्टिस एसके कौल और जस्टिस एमएम सुंदरेश की पीठ ने कहा कि अगर पति और पत्नी एक साथ नहीं रह सकते तो रिश्ता तोड़ने के इरादे में बदलाव न होने के आधार पर संविध ान के अनुच्छेद 142 के तहत तलाक दिया जा सकता है। पीठ 'तलाक–ए–हसन' और 'एकतरफा न्यायेत्तर तलाक के सभी अन्य रूपों को अवैध तथा असंवैधानिक' घोषित करने का अनुरोध करने वाली याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिका में दावा किया गया है कि तलाक के ये तरीके 'मनमाने, असंगत और मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करते हैं।' पीठ ने कहा, 'यह उस तरीके से तीन तलाक नहीं है। विवाह एक तरह का करार होने के कारण आपके पास खुला का विकल्प भी है। अगर दो लोग एक साथ नहीं रह सकते, तो हम भी शादी तोड़ने का इरादा न बदलने के आधार पर तलाक की अनुमति देते हैं। अगर 'मेहर' (दूल्हे द्वारा दुल्हन को नकद या अन्य रूप में दिया जाने वाला उपहार) दिया जाता है, तो क्या आप आपसी सहमति से तलाक के लिए तैयार हैं?' इसने कहा, 'प्रथम दृष्टया, हम याचिकाकर्ताओं से सहमत नहीं हैं। हम इसे किसी भी वजह से कोई एजेंडा नहीं बनाना चाहते। याचिकाकर्ता बेनजीर हिना की ओर से पेश वरिष्ठ वकील पिंकी आनंद ने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने तीन तलाक को असंवैधानिक घोषित किया था लेकिन उसने तलाक–ए–हसन के मुद्दे पर फैसला नहीं दिया था। उच्चतम न्यायालय अब इस मामले पर 29 अगस्त को सुनवाई करेगा। गाजियाबाद निवासी हिना ने सभी नागरिकों के लिए तलाक के समान आधार और प्रक्रिया बनाने के वास्ते केंद्र को निर्देश दिए जाने का भी अनुरोध किया है।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में बस खाई में गिरी, 7 जवानों की मौत, 32 जख्मी

श्रीनगर। जम्मू–कश्मीर के पहलगाम इलाके में मंगलवार को एक बस गहरी खाई में गिर जाने से आईटीबीपी के 6 कर्मियों और एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई, जबकि 32 अन्य घायल हो गये। आईटीबीपी कर्मी अमरनाथ यात्रा ड्यूटी से लौट रहे थे। घायल कर्मियों में से 6 की हालत गंभीर बताई जा रही है, उन्हें विशेष उपचार के लिए श्रीनगर ले जाया जा रहा है।पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि आईटीबीपी के 37 जवानों और दो पुलिसकर्मियों को ले जा रही बस चंदनवाड़ी और पहलगाम के बीच गहरी खाई में गिर गई। उन्होंने कहा कि आईटीबीपी के दो कर्मियों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। दिल्ली में आईटीबीपी के एक प्रवक्ता ने कहा, श्39 कर्मियों को ले जा रही बस कथित रूप से ब्रेक खराब हो जाने के कारण सड़क के किनारे नदी में गिर गई। जवान चंदनवाड़ी से पहलगाम की ओर जा रहे थे। हताहतों की संख्या बढ़ने की आशंका है। विस्तश्त जानकारी की प्रतीक्षा की जा रही है।श अधिकारी ने बताया कि हताहतों को ले जाने के लिए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के हेलीकॉप्टर को तैनात किया गया है।

शोपियां में कश्मीरी पंडित की गोली मारकर हत्या, आतंकी हमले में भाई जख्मी

श्रीनगर । जम्मू–कश्मीर के शोपियां जिले में आतंकवादियों ने मंगलवार को दो कश्मीरी पंडित भाइयों पर हमला कर दिया, जिसमें एक भाई की मौत हो गई, जबकि दूसरा घायल हो गया। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि मृतक की पहचान सुनील कुमार के तौर पर हुई है। वहीं पिंटू कुमार हमले में घायल हो गए। पुलिस के एक प्रवक्ता ने कहा, 'शोपियां जिले के चोटीपुरा में सेब के एक बाग में आतंकवादियों ने नागरिकों पर हमला किया। उनकी गालीबारी में एक व्यक्ति की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इलाके की घेराबंदी की गई है। विस्तृत जानकारी जल्द मुहैया कराई जाएगी। कश्मीर घाटी में पिछले एक हफ्ते में आतंकवादियों ने हमले बढ़ा दिए हैं। नौहट्टा में रविवार को एक पुलिसकर्मी और पिछले हफ्ते बांदीपुरा में एक प्रवासी मजदूर की हत्या कर दी गई थी। बडगाम और श्रीनगर जिले में सोमवार को दो ग्रेनेड हमले किए गए थे।

अदालत ने गिरफ्तार मंत्री सत्येंद्र जैन को अयोग्य ठहराने की मांग वाली याचिका पर आदेश सुरक्षित रखा

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने धनशोधन के एक मामले में गिरफ्तार आप नेता सत्येंद्र जैन को ''विकृतचित्त व्यक्ति'' घोषित करने और इस आधार पर उन्हें विधानसभा सदस्य एवं मंत्री पद के लिए अयोग्य ठहराए जाने की मांग वाली जनहित याचिका पर मंगलवार को अपना आदेश सुरक्षित रख लिया। मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा और न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद की पीठ ने याचिकाकर्ता से कहा, हम उचित आदेश पारित करेंगे। याचिका में कहा गया है कि निचली अदालत के समक्ष देखा गया है कि जैन की ''याददाश्त खो गई है'' और इसलिए उन्हें विधानसभा सदस्य नहीं रहने दिया जाना चाहिए। याचिकाकर्ता आशीष कुमार श्रीवास्तव ने अपनी याचिका में दावा किया कि जैन ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष ष्खुद घोषित किया है कि उन्होंने अपनी याददाश्त खो दी हैष और निचली अदालत को भी इसकी जानकारी दी। उन्होंने अदालत से कहा कि ईडी कोई साधारण एजेंसी नहीं है और उसे दिया गया कोई भी बयान अदालत में स्वीकार्य होता है तथा यदि उन्होंने मंत्री होने के नाते निर्देश जारी किए हैं, जो उन्हें याद नहीं हैं तो इससे जनता प्रभावित हो सकती है।

रेस्तरां में सेवा शुल्क लेने की क्या जरूरत, दाम बढ़ा सकते हैं : हाईकोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने मंगलवार को रेस्तरां में ग्राहकों से अतिरिक्त या 'अलग शुल्क के रूप में सेवा शुल्क वसूलने पर सवाल उठाते हुए कहा कि इसके बजाय खाद्य उत्पादों के दाम बढ़ाने का तरीका अपनाया जा सकता है। मुख्य न्यायाध ीश सतीश चंद्र शर्मा और न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद की पीठ ने यह टिप्पणी केंद्र सरकार की तरफ से दायर एक अपील की सुनवाई के दौरान की। इसके पहले उच्च न्यायालय की एकल पीठ ने होटलों एवं रेस्तरांओं को ग्राहकों से सेवा शुल्क लेने पर रोकने वाले केंद्र के निर्देश पर स्थगन दे दिया था।मुख्य न्यायाधीश की अगुवाई वाली पीठ ने कहा कि एक आम आदमी रेस्तरां में वसूले जाने वाले सेवा शुल्क को सरकार की तरफ से लगाया गया कर ही समझता है। ऐसी स्थिति में अगर होटल एवं रेस्तरां ग्राहक से अधिक राशि वसूलना चाहते हैं तो वे अपने यहां परोसे जाने वाले खाने–पीने के सामान के दाम बढ़ा सकते हैं। फिर उन्हें बिल में अलग से सेवा शुल्क लेने की जरूरत नहीं रह जाएगी। रेस्तरां संगठनों की तरफ से कहा गया कि सेवा शुल्क कोई सरकारी कर नहीं है और यह रेस्तरां में काम करने वाले कर्मचारियों के लाभ के लिए वसूला जाता है।

सम्पादकीय

कुदरत के राग

बहुत कम लोग जानते हैं कि इसका असली नाम क्या है! बरसात के मौसम में जब बादल घिर आते हैं, चारों ओर हरियाली फैल जाती है, हर तरफ पानी–पानी होता है, हरी घास की तितलियों का आगमन हो चुका होता है सुरेशचंद्र रोहरारू बहुत कम लोग जानते हैं कि इसका असली नाम क्या है! बरसात के मौसम में जब बादल घिर आते हैं, चारों ओर हरियाली फैल जाती है, हर तरफ पानी–पानी होता है, हरी घास की तितलियों का आगमन हो चुका होता है, मन मयूर बन नाचने लगता है, तब ऐसे में अगर अचानक ही खेत–खलिहान, रेतीली जमीन पर एक लाल कीड़ा दिख जाए, तो मन में उत्सुकता पैदा हो जाना स्वाभाविक है। नन्हे–नन्हे बच्चे इस लाल कीड़े को देखकर आश्चर्य से एक रहस्यमयी दुनिया की कल्पना करने लगते हैं। दरअसल, यह है वीर बहूटी या रेड वेल्वेट माइट। कोई बताने–समझाने वाला नहीं कि यह क्या है! पास में हमउम्र बच्चे साथी होते हैं और उनकी निगाह बरबस लाल कीड़े पर पड़ जाती है तो कोई बड़ी उम्र का साथी हंसते हुए कहता है कि डरो मत, यह कोई मकड़ी नहीं, रानी कीड़ा है, भगवान की बूढ़ी मां। मुलायम इस तरह है कि मन खुश हो जाए३ आओ! इसे हाथों में उठा लें। अभी तो हमने सिर्फ एक रानी कीड़ा देखा है, और भी होंगे कहीं छिपे हुए३! धीरे–धीरे दुर्लभ होते जा रहे इन कीड़ों पर नजर पड़ती है तो ये मन को आकर्षित करते हैं। ऐसा लगता है कि ये मन की पीड़ा को कम करने में मददगार होते हैं। शायद ईश्वर ने इन्हें सचमुच बड़े प्रेम और आत्मीयता से बनाया है। बरसात के ये नन्हे मेहमान अमूमन हर जगह के बच्चों के लिए एक अबूझ रहस्य की तरह होते हैं। जीवन का ऐसा पाठ भी होता है, जो पढ़ा जाता है अपने छोटे–से अस्तित्व से दुनिया को खुशियां देना और अपने नन्हे से शरीर से मानवता को आनंद विभोर कर देना। इसके बाद यह नन्हा–सा कीड़ा पता नहीं किन–किन शक्लों में लोगों को सुकून देता होगा। यह प्रकृति सचमुच कितना कुछ देती है हमें, कई बार हम गौर नहीं कर पाते। लेकिन इसके बदले हमसे कुछ लेती नहीं है। यही है जिसकी गोद में हम कुदरत को समझ सकें तो हम मनुष्य भी एक रहस्य हैं, जैसे लाल रानी कीड़ा, जो असल में वीर बहूटी है। प्रकृति ने इस लाल कीट को जन्म दिया, प्रकृति ने मनुष्य को भी रचा। यह प्रकृति की नियामत है। हिचक मिटने के बाद बच्चे नन्हे–से हाथों में वीर बहूटी को उठा लाते हैं, तो हाथों पर उनके चलने के स्पर्श से एक गुदगुदी ऐसे अनुभवों से दो–चार करती है जो अनिर्वचनीय है और जिसका वर्णन शब्दों में कोई क्या कर सकता है! सच तो यह है कि प्रकृति ने हर शै को यह रहस्यपूर्ण भाव से रचा है। सबकी अपनी उपयोगिता है। संसार में ऐसी कोई वस्तु या प्राणी नहीं, जिसे प्रकृति ने रचा हो और उसका कोई न कोई उपयोग और महत्त्व न हो। बस हमें समझना और देखना होता है, महसूस करना होता है। हममें अगर यह क्षमता है तो हम संसार को एक नई दृष्टि से देख सकते हैं और आनंद विभोर हो सकते हैं।

हर तरफ से मिल रही हैं हमारी अखिल भारतीयता को चुनौतिया

देश में सत्ता–प्रेरित सांप्रदायिक नफरत से बनते गृहयुद्ध के हालात, शक्तिशाली पड़ोसी देश द्वारा देश की सीमाओं का अतिक्रमण और उस पर हमारी चुप्पी, अर्थव्यवस्था का आधार माने जाने वाली खेती–किसानी पर मंडराता संकट, ध्वस्त हो चुकी अर्थव्यवस्था अभूतपूर्व महंगाई–बेरोजगारी और चारों तरफ लहलहाती अपराधों की फसल के बीच अपनी आजादी का अमृत महोत्सव मनाते हुए हमारे लिए सबसे बड़ी चिंता की बात क्या हो सकती है या क्या होनी चाहिए? क्या हमारे वे तमाम मूल्य और प्रेरणाएं सुरक्षित हैं, जिनके आधार पर आजादी की लंबी लड़ाई लड़ी गई थी और जो आजादी के बाद हमारे संविधान का मूल आधार बनीं? क्या आजादी हासिल होने और संविधान लागू होने के बाद हमारे व्यवस्था तंत्र और देश के आम आदमी के बीच उस तरह का सहज और संवेदनशील रिश्ता बन पाया है, जैसा कि एक व्यक्ति का अपने परिवार से होता है? आखिर आजादी हासिल करने और फिर संविधान की रचना के पीछे मूल भावना तो यही थी। भारत के संविधान में राज्य के लिए जो नीति–निर्देशक तत्व हैं, उनमें भारतीय राष्ट्र–राज्य का जो आंतरिक लक्ष्य निर्धारित किया गया है, वह बिल्कुल महात्मा गांधी के सपनों और हमारे राष्ट्रीय आंदोलन के मूल्यों का दिग्दर्शन कराता है। फिर भी, हमारे संविधान और उसके आधार पर कल्पित तथा मौजूदा साकार गणतंत्र की सबसे बड़ी त्रासदी यही है कि जो कुछ नीति–निर्देशक तत्व में है, राज्य का आचरण कई मायनों में उसके विपरीत है। मसलन, प्राकृतिक संसाधनों का बंटवारा इस तरह करना था जिससे स्थानीय लोगों का सामूहिक स्वामित्व बना रहता और किसी का एकाधिकार न होता तथा गांवों को धीरे–धीरे स्वावलंबन की ओर अग्रसर किया जाता। इसके विपरीत हम अपनी आजादी की 76वीं सालगिरह मनाते हुए देख सकते हैं कि जल, जंगल, जमीन आदि तमाम प्राकृतिक संसाधनों पर से स्थानीय निवासियों का स्वामित्व धीरे–धीरे पूरी तरह खत्म हो गया है और सत्ता में बैठे राजनेताओं और नौकरशाहों से सांठ–गांठ कर औद्योगिक घराने उनका मनमाना उपयोग कर रहे हैंय और यह सब राज्य यानी सरकारों की नीतियों के कारण हो रहा है। यही नहीं, अब तो देश की जनता की खून–पसीने की कमाई से खड़ी की गई और मुनाफा कमा रही तमाम बड़ी सरकारी कंपनियां देश के बड़े औद्योगिक घरानों को औने–पौने दामों में सौंपी जा रही हैं। सार्वजनिक क्षेत्र में सर्वाधिक रोजगार देने वाली भारतीय रेल का भी तेजी से निजीकरण शुरू हो चुका है। राष्ट्रीयकृत बैंकों की संख्याएं कम की जा चुकी हैं और जो अभी अस्तित्व में हैं उन्हें भी निजी हाथों में सौंपे जाने की तैयारी हो रही है। भारत सरकार भले ही दावा करे कि आर्थिक तरक्की के मामले में पूरी दुनिया में भारत का डंका बज रहा है, लेकिन हकीकत यह है कि वैश्विक आर्थिक मामलों के तमाम अध्ययन संस्थान भारत की अर्थव्यवस्था का शोक गीत गा रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी यूएनडीपी ने तमाम आंकड़ों के आधार पर बताया है कि भारत टिकाऊ विकास के मामले में 190 देशों में 117वें स्थान पर है। अमेरिका और जर्मनी की एजेंसियों ने जानकारी दी है कि ग्लोबल हंगर इंडेक्स में 116 देशों में भारत 101 वें स्थान पर है। संयुक्त राष्ट्र के वैश्विक खुशहाली सूचकांक में भारत की स्थिति में लगातार गिरावट दर्ज हो रही है। कुछ समय पहले जारी हुई पेंशन सिस्टम की वैश्विक रेटिंग में भी दुनिया के 43 देशों में भारत का पेंशन सिस्टम 40वें स्थान पर आया है। पासपोर्ट रैंकिंग में भी भारत 84वें स्थान से फिसल कर 90वें स्थान पर पहुंच गया है। यह स्थिति भी देश की अर्थव्यवस्था के पूरी तरह खोखली हो जाने की गवाही देती है। वैश्विक स्तर पर भारत की साख सिर्फ आर्थिक मामलों में ही नहीं गिर रही है, बल्कि लोकतंत्र, अभिव्यक्ति की आजादी, मानवाधिकार और मीडिया की आजादी में भी भारत की रैंकिंग इस साल पहले के मुकाबले बहुत नीचे आ गई है। हालांकि भारत सरकार ऐसी रिपोर्टों को तुरंत खारिज कर देती है, जबकि यह रेटिंग किसी सर्वे पर नहीं, बल्कि तथ्यों पर आधारित होती है। बेशक हम इस बात पर गर्व कर सकते हैं कि आजाद भारत का पहला बजट 193 करोड़ रुपए का था और अब हमारा 2022–23 का बजट करीब 39.45 लाख करोड़ रुपए का है। यह एक देश के तौर पर हमारी असाधारण उपलब्धि है। इसी प्रकार और भी कई उपलब्धियों की गुलाबी और चमचमाती तस्वीरें हम दिखा सकते हैं, लेकिन जब हम इस प्रश्न पर विचार करते हैं कि आजाद भारत का हमारा लक्ष्य क्या था तो फिर सतह की इस जगमगाहट के पीछे स्याह अंधेरा नजर आता है। देश की 80 फीसदी आबादी को मिल रहा तथाकथित मुफ्त राशन, इस स्थिति पर गर्व करती सत्ता और इसके बावजूद भूख से मरते लोग, भयावह भ्रष्टाचार, पानी को तरसते खेत, काम की तलाश करते करोड़ों हाथ, देश के विभिन्न इलाकों में सामाजिक और जातीय टकराव के चलते गहयुद्ध जैसे बनते हालात, बेकाबू कानून–व्यवस्था और बढ़ते अपराध, चुनावी धांधली, विभिन्न राज्यों में आए दिन निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की खरीद–फरोख्त के जरिए जनादेश का अपहरण, निर्वाचन आयोग का सत्ता के इशारे पर काम करना, न्यायपालिका के जनविरोधी फैसले और सत्ता की पैरोकारी, सत्ता से असहमति का निर्ममतापूर्वक दमन जैसी बातें हमारे गणतंत्र की मजबूती और कामयाबी के दावे को मुंह चिढ़ाती हैं।

सवाल है कि क्या यह मान लिया जाना चाहिए कि हम एक असफल राष्ट्र बनने की दिशा में बढ़ रहे हैं? समस्याएं और भी कई हैं जो हमें इस सवाल पर सोचने पर मजबूर करती हैं। दरअसल, भारत की वास्तविक आजादी बड़े शहरों तक और उसमें भी सिर्फ उन खाए–अघाए तबकों तक सिमट कर रह गई हैं जिनके पास कोई राष्ट्रीय परिदृश्य नहीं है। इसीलिए शहरों का गांवों से नाता टूट गया है।— **अनिल जैन**

आज का राशिफल

मेष :– उच्चस्तरीय लोगों का सानिध्य मनोबल को बढ़ायेगा। किसी महत्वपूर्ण कार्य की पूर्ति होने के आसार बनेंगे। शासन–सत्ता के क्षेत्र में सफलताएं अर्जित करेंगी। भौतिक सुख में वृद्धि होगी।

बृषभ :– अत्याधिक कर्जभार से मन चिंतित होगा। कुछ नयी आकांक्षाएं मन को उद्वेलित करेंगी। नई महत्वाकांक्षाओं की सकारात्मकता हेतु आपकी क्रियाशीलता बढ़ेगी। आलस्य कतई न करें।

मिथुन :– महत्वपूर्ण दायित्वों की समयानुकूल पूर्ति हेतु चिंतित होंगे। नये दायित्व अपनी पूर्ति हेतु मन पर दबाव बनाएंगे। कानूनी मामलों में कुछ कठिनाइयां संभव। तामसिक विचारें पर नियंतणरखें।

कर्क :– नये संबंधों के साथ आपकी सहज घुलनशीलता प्रशंसनीय है। अपने कायरें को समयानुकूल पूर्ण करने का प्रयत्न करें। निर्थक दूसरों की अलोचना न करें।

सिंह :– संबंधियों के भावनात्मक सहयोग से उत्साहित होंगे। किसी रचनात्मक कार्य के प्रति रुचि पैदा होगी। पुराने संबंधों के भावनात्मक स्मरण से मन ओतप्रोत होगा। घर में खुशहाल स्थिति रहेगी।

कन्या :– निजी महत्वपूर्ण दावित्वों की पूर्ति में बाधाएं आंएगी। मानसिक अवसाद व कार्य–पेशे में अरुचि से आर्थिक संकट की आशंका बनेगी। अच्छी भावनाओं के बावजूद कटु वाणी से कटुता की आशंका है।

तुला :– आर्थिक सबलता के मन नई युक्तियों पर केंद्रित होगा। कोई अचल सम्पत्ति का तनाव मन को चिंतित करेगा। पुराने संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। जीवन साथी के स्वास्य के प्रति सतर्कता बढ़ेगी।

वृश्चिक :– कार्य–पेशे में कुछ नई तब्दीली रुचिकर होगी। वर्तमान की स्थिति देखते हुए भविष्य की चिंता बढ़ेगी। आत्मबल में वश्द्धि कर समस्याओं का समाधान करने की क्षमता प्रदान करेंगे।

धनु :– समय व स्थिति के साथ अपने स्वभाव में थोड़ा लचीलापन लावें। क्षमता से अधिक कार्यों का बोझ पड़ेगा। शिक्षा–प्रतियोतियोगिता के क्षेत्र में सफलताएं मिलेंगी। घर में खुशहाल स्थिति रहेगी।

मकर :– महत्वपूर्ण कार्य के प्रति समुचित व्यवस्था के लिए मन प्रयत्नशील होगा। नई महत्वाकांक्षी योजनाएं तो बनेंगी परन्तु समुचित व्यवस्था न होने से पूर्ति मे अवरोध होगा।

कुंभ :– पारिवारिक दायित्वों की समय से पूर्ति हेतु प्रयत्नशील होंगे। अच्छी सोच का लाभ प्राप्त करेंगे। परिजनों के सुख–दुख के प्रति मन चिंतित होगा। किसी महत्वपूर्ण कार्य के प्रति चिंताएं समाप्त होंगी।

मीन :– सुन्दर कल्पनाएं मन पर प्रभावी होंगी किंतु अपने मन को सकारात्मका की ओर केंद्रित करें। व्यावसायिक संबंधों में अपने व्यवहार का पूर्ण लाभ उठाएंगे। शिक्षा–प्रतियोगिता में प्रयत्न तीव्र होगा।

आध्यात्मिक जीवन व्यावहारिक जीवन की जड़ है महर्षि अरविंद

ऐतिहासिक तिथियां कृतज्ञता का अवसर देती हैं, नूतन उत्साह भरती हैं। वर्ष 1872 में 15 अगस्त को जन्मे श्री अरविंद घोष की सार्धशती यानी 150वीं जयंती है। वर्ष 1947 में इसी तिथि (15 अगस्त) को हमारा देश स्वतंत्र हुआ था। आज स्वतंत्रता के 75 वर्ष भी पूरे हुए हैं। दोनों तिथि हम भारतीयों के लिए विशेष महत्व रखती है। इसीलिए, महर्षि अरविंद की 150वीं जयंती का उत्सव मनाने के लिए प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय समिति का गठन किया गया है। श्री अरविंद स्वतंत्रता के अग्रदूत, क्रांतिकारी, कवि, लेखक, दार्शनिक, ऋषि, मंत्रद्रष्टा एवं महान योगी थे। केवल सात वर्ष की उम्र में उन्हें इंग्लैंड पढ़ने के लिए भेजा गया। उन्होंने लंदन के सेंट पॉल स्कूल से विद्यालयी शिक्षा ली और छात्रवशत्ति प्राप्त कर किंग्स कॉलेज कैंब्रिज में प्रवेश लिया। उन्होंने आईसीएस परीक्षा पास की, लेकिन अवसर दिये जाने के बाद भी अंतिम बाधा, घुड़सवारी की परीक्षा पास नहीं की। क्योंकि वे तो कुछ और करने का मन बना चुके थे। अरविंद घोष एक व्यक्ति न होकर प्रचंड आध्यात्मिक शक्ति थे। बीसवीं सदी के पहले दशक में पूर्ण स्वराज, निष्क्रिय प्रतिरोध और ग्राम स्वराज जैसे विचार देने वाले श्री अरविंद ही थे, जिनका सदी के दूसरे और तीसरे दशक में महात्मा गांधी ने अनुगमन किया। इनके लेखों और भाषणों को पंडित नेहरू और सुभाष चंद्र बोस उत्साह और गंभीरता से पढ़ते थे। ब्रिटिश राज को उनकी कलम से इतना खौफ था कि तत्कालीन वायसराय ने सचिव को पत्र में लिखा, 'भारत में फिलहाल अरविंद घोष सबसे खतरनाक व्यक्ति है, जिससे हमें निपटना है।' देशबंधु चित्तरंजन दास ने उन्हें देशभक्ति का कवि, राष्ट्रवाद का मसीहा और मानवता का प्रेमी कह कर संबोधित किया। श्री अरविंद ने राष्ट्र को शक्ति का स्वरूप माना और लोकमानस से राष्ट्र को 'मां' की तरह पूजने का आह्वान किया। राष्ट्र को सबल, संपन्न और महान बनाने के लिए भारतीय युवाओं से सच्चे भारतीय होने और आंतरिक स्वराज प्राप्त करने का आह्वान किया। उन्होंने भारत को

ईश्वर द्वारा सौंपे गये दायित्व और भारतीय संस्कृति व सनातन धर्म को देखने की दृष्टि दी। 15 अगस्त, 1947 को आकाशवाणी से राष्ट्र के नाम संदेश में उन्होंने अपने पांच स्वप्नों का उल्लेख किया, जिन्हें आज के संदर्भ में भी गंभीरता से देखा जाना चाहिए। श्री अरविंद ने 'भारतीय संस्कृति के आधार' में लिखा– 'भारतीय आदर्श सनातन हैं। भारतीय संस्कृति की संचालिका आध्यात्मिक अभीप्सा है। भारत में चार पुरुषार्थ– धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष, चार वर्ण– ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र, चार आश्रम– ब्रह्मचर्य, गश्हस्थ, वानप्रस्थ, संन्यास, हमारी संस्कृति के विधायक तत्व रहे हैं। भारतीय संस्कृति में किसी भी पुरुषार्थ, वर्ण व आश्रम की उपेक्षा नहीं की गयी है, वरन सभी को महत्व देकर स्वीकारा गया है।' श्री अरविंद के अनुसार भारतीय संस्कृति उच्चतम शिखर है, जिस पर एकाएक नहीं चढ़ा जा सकता। शिखर तक पहुंचने के लिए धर्म की आवश्यकता है। धर्म मध्यस्थ है। भारतीय संस्कृति की विशेषता है आध्यात्मिक अभीप्सा। भारतीय संस्कृति ने आध्यात्मिकता के दो मोड़ पूरे कर लिये हैं– आदिकालीन वैदिक युग एवं पौराणिक तांत्रिक युग। अब हम तीसरे मोड़ पर हैं– मानव मन से आगे अतिमानस को चरितार्थ करना होगा, तभी भारतीय संस्कृति को और समश्द्ध किया जा सकेगा। श्री अरविंद का आह्वान है कि भारत को भारतीय बनकर ही बनाया और बचाया जा सकता है। महर्षि अरविंद भारतीय युवाओं से मौलिक चिंतक बनने की पुरजोर वकालत करते हैं। वे प्रेरणा देते हैं कि वेद पढ़ें ताकि अपने युग की वेदना को आनंद के समाधान का गीत बना सकें। महाभारत प्रत्येक घर में इसलिए पढ़ा–समझा जाए ताकि भावी महाभारतों का दुर्भाग्य टाला जा सके। जो अतीत हमें वर्तमान में जीना और भविष्य की मजबूत नींव डालने में मदद नहीं कर सकता उसका प्रयोजन क्या है। वे गुजरे हुए भारत से ज्यादा आने वाले भारत को लेकर चिंतित और उत्सुक हैं। उन्होंने लिखा, 'हमारा संबंध अतीत की उषाओं से नहीं, भविष्य की दोपहरों से है।' 'दिव्य जीवन' में श्री अरविंद स्पष्ट करते हैं– शरीर, मन और प्राण का विकास आवश्यक है, परंतु यह संपूर्ण नहीं है। बुद्धि मनुष्य की विशेषता नहीं है, यह अन्य प्राणियों में भी होती है। मनुष्य में आत्मबुद्धि होनी चाहिए। मेरी बुद्धि को वासुदेव चलाएं या वासना यह निर्णय स्वयं को करना पड़ता है। महर्षि दोनों को सत्य मानते हैं– जगत को भी और ब्रह्म को भी।

श्री अरविंद अन्नमय कोष से लेकर आनंदमय कोष तक चेतना की यात्रा कराते हैं। यह सजग साधन शैली श्री अरविंद का रूपांतर योग या सर्वांगीण योग है। इस रूपांतरण का अनुशीलन मनुष्य को चेतना के उस शिखर पर ले जा सकता है, जिसे श्री अरविंद ने अतिमानस कहा है। अतिमानस के लिए भारत में पैदा होना जरूरी नहीं, परंतु भारतीय भाव अनिवार्य होगा।

संप्रदाय सीमित हो सकता है, अध्यात्म उदार होता है। सभ्यता बाह्य रूप है, संस्कृति अंतरतम रूप है। आध्यात्मिक जीवन व्यावहारिक जीवन की जड़ है।

आजादी के अमृत कलश से छलकता घृणा और विभाजन का हलाहल

भारत के लिये इससे अधिक दुर्भाग्यजनक कुछ हो नहीं सकता कि श्अमृत कालश के नाम से निरूपित स्वतंत्रता का 75वां साल पूरा होने पर जहां एकता, बन्धुत्व और सौहार्द्र का रस बरसाना था, वहां आज नफरत, सामाजिक विखंडन और संघर्षों का विष उंड़ेला जा रहा है। किसी भी मनुष्य, समाज व देश की सबसे प्रिय वस्तु आजादी की ऐसी महत्वपूर्ण सालगिरह यह महादेश लोकतांत्रिक संस्थाओं व नागरिकों के निर्बलीकरण, आर्थिक–राजनैतिक–सामाजिक शक्तियों के केंद्रीकरण और स्वतंत्रता की सिकुड़ती अवधारणा के बीच मना रहा है। उल्लास के सामूहिक व एकीकृत घोष की बजाय अनेक स्तरों पर विभाजित राष्ट्र में कुछ लोग स्वतंत्रता और तत्पश्चात के साढ़े सात दशकों के हमारे सम्मिलित पुरुषार्थ से निकला सारा अमृत अकेले छक लेना चाहते हैं तो वहीं दूसरी तरफ देश के बहुसंख्य लोग वैयक्तिक व सामूहिक रूप से उत्थान के सपने से कोसों दूर हैं। हमारे स्वतंत्रता सेनानियों एवं संविधान निर्माताओं ने देश को पराधीनता के अंधकार से निकालकर उसे स्वाधीनता का सूरज इस परिकल्पना के चलते दिखलाया था कि आजादी मानव के सामूहिक उत्थान का जरिया है, न कि उस पर कोई एक व्यक्ति या समूह का आधिपत्य हो। आज स्थिति न सिर्फ इसके विपरीत है, बल्कि देश से लोकतंत्र को ही समाप्त करने की कोशिशें की जा रही हैं जो स्वतंत्रता, समानता व बंधुत्व का संवाहक होता है। ये प्रयास उन्हीं की ओर से हो रहे हैं जिन्होंने इस पावन वर्ष में अमृत वर्षा कराने का दावा किया था। इस पूरे तीन–चौथाई शताब्दी काल में ऐसा

राजनैतिक, आर्थिक एवं सामाजिक शक्तियों केन्द्रीकरण कभी नहीं हुआ जैसा हम आज देख रहे हैं। सत्ता को अपने हाथों में बनाये रखने के उद्देश्य से स्वतंत्रता संग्राम की विरासत को विकृत कर आजादी के पुरखों को बदनाम करने, लोकतंत्र की प्रतिष्ठा गिराने, जनता को विभाजित करने, तानाशाही का महिमा मंडन तथा नागरिक अधिकारों को नष्ट करने के सुनियोजित प्रयास किये गये जो अनवरत जारी हैं। लोक कल्याणकारी अवधारणा के तहत बहुसंख्य नागरिकों का अच्छा समय ही किसी देश का अमृत काल हो सकता है, न कि थोड़े से लोगों का। भारत की विडम्बना यह है कि जिन मुठ्ठी भर लोगों के लिये यह स्वर्ण काल है वे हैं सत्ता पक्ष से जुड़े लोग। फिर उनका सम्बन्ध चाहे राजनीति से हो या अपराध जगत से, धर्म से हो अथवा कारोबार से। आजाद भारत में सत्ता का ऐसा खुला प्रश्रय उन्हें पहले कभी भी नहीं मिलाय और न ही सत्ता को विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका और मीडिया द्वारा ऐसा समर्थन। नतीजतन, आज राज्य अत्यन्त ताकतवर हो गया है और नागरिक दीन–हीन, दुर्बल।

अवाम का वही हिस्सा आज सुरक्षित एवं सुखी है जो सत्ता की शरण में है। यही विशेषाधिकार प्राप्त वर्ग समाज में गैर बराबरी का प्रतीक समुदाय है। आयातित झंडों व लोक लुभावन नारों के बीच अमृत काल का यथार्थ यही है कि आम आदमी गरीबी व बेरोजगारी से त्रस्त है, शिक्षा व्यवस्था जर्जर है, सड़क–पानी–बिजली जैसे मुद्दों पर चुप्पी है। समाज के संसाधनों व अवसरों पर समान वितरण नहीं बल्कि ताकतवर वर्ग उन्हें अपने हक में किये दे रहा है। स्वतंत्रता की लड़ाई में कोई योगदान न देने वाले आजादी के अमृत पर अपना एकाधिकार जता रहे हैं। इसके लिये छद्म राष्ट्रवाद, धर्म, दबाव, भय, अपराध, विभाजन, घृणा सभी का सहारा लिया जा रहा है। अल्पसंख्यकों एवं निचले वर्गों के प्रति भय या नफरत फैलाकर एक ऐसे दुसाध्य सुनहरे ख्वाब को खड़ा कर दिया गया है जिसे पाने में देश और पीढ़ियां बर्बाद हो सकती हैं। अमृत काल जैसे लुभावने शब्द के आगे महात्मा गांधी की स्वाधीनता की वह अवधारणा विलुप्त हो चली है जिसमें उन्होंने कहा था– श्स्वराज्य का अर्थ है सरकार के नियंत्रण से स्वतंत्र रहने का निरंतर प्रयास, फिर वह विदेशी सरकार हो या राष्ट्रीय सरकार। आदर्श समाज एक राज्य–रहित लोकतंत्र है, प्रबुद्ध और जाग्रत अराजकता की अवस्था है, जिसमें सामाजिक जीवन इतनी पूर्णता को पहुंच जाता है कि वह स्वयं–शासित और स्वयं–नियंत्रित बन जाता है। इसके विपरीत आज सरकार जनता को अपने पूर्ण नियंत्रण में रखना चाहती है। लोगों की कंडिशनिंग ऐसी हो गयी है कि आज नागरिक अपनी सारी शक्तियां और अधिकार गिरवी रखने को तैयार हैं। देश की आबादी के एक बड़े हिस्से की लोकतंत्र में आस्था को ही खत्म कर दिया गया है। नागरिकों को आर्थिक दृष्टि से कमजोर करने के लिये सत्ता कोई कोर–कसर नहीं छोड़ रही है क्योंकि वह जानती है कि गरीब, लाचार व साधनविहीन अवाम सरकार के सामने जल्दी झुक जाता है। एक के बाद एक ऐसे आर्थिक कार्यक्रम लाये गये जिनके जरिये योजनाबद्ध तरीके से लोगों को गरीब किया गया। निजीकरण, पूंजीकरण, विदेशी निवेश, नोटबंदी, जीएसटी लाभदायी उपक्रमों की अंधाधुंध बिक्री, बढ़ते कर्ज आदि ने देश की माली हालत बिगाड़ दी है क्योंकि सभी योजनाएं या तो नाकाम रहीं या जनविरोधी साबित हुईं। स्वदेशी व आत्मनिर्भरता के कार्यक्रम ठप हैं तो श्रम आधारित छोटे व मध्यम उद्योग बर्बाद होने से नागरिक बेजार हैं। लोक कल्याणकारी राज्य की अवधारणा आज देश में गम्भीर खतरे में है। आरक्षण, न्याय योजनाओं, मनरेगा, विभिन्न रियायतों, सब्सिडी, निरूशुल्क अथवा सस्ती शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, पानी देने या लोगों को आर्थिक मदद देना श्मुफ्तखोरीश कहलाने लगी है। अमृत काल का कड़ुवा सत्य यही है कि कोरोना काल में नागरिकों को हमने न पर्याप्त परिवहन सुविधाएं दीं, न दवाएं, न ऑक्सीजन और न ही सम्मानजनक मौत। करोड़ों लोग गरीबी रेखा के नीचे चले गये और करोड़ों बेरोजगार हैं। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) के अनुसार कोविड–19 के बाद दुनिया भर के युवाओं में बेरोजगारी की दर घटी है लेकिन भारत में उनके रोजगार में गिरावट आई है। साम्प्रदायिकता और जातीय ध्रुवीकरण भारत के समक्ष मौजूदा दौर के सर्वाधिक बड़े खतरे हैं।

सामाजिक हिंसा व नफरत के जरिये सत्ता देश व समाज को बड़े विभाजन की ओर ले जा रही है। बहुलतावाद की जगह पर बहुसंख्यकवाद और समानता की बजाय नस्लीय श्रेष्ठता व सामाजिक वर्चस्व की लड़ाई जारी है। अल्पसंख्यकों से मताधिकार एवं दलितों–आदिवासियों से आरक्षण छीनने की बातें खुल्लमखुल्ला हो रही हैं– फिर इसके लिये संविधान की बजाय चाहे मनुस्मृति ही लागू क्यों न करनी पड़े। सच कहा जाये तो आज सम्पूर्ण सत्ता एवं अर्थव्यवस्था दो–चार लोगों द्वारा संचालित हो रही है।— **डॉ। दीपक पाचपोर**

आजादी का आख्यान और लेखिकाएं

स्वाधीनता आंदोलन में सहयोगी होने का प्रमाण दिया, वह अभूतपूर्व था। साधारण स्त्रियों का आह्वान करते हुए महात्मा गांधी ने कहा था,'यदि माताएं साथ नहीं आती हैं, तो मैं सौ वर्ष प्रयत्न करके भी देश को स्वतंत्र न कर सकूंगा' और इसका जैसा प्रत्युत्तर स्त्रियों ने दिया था, वह उनकी व्यापक पीड़ा और युगव्यापी अशिक्षा को देखते हुए अकल्पनीय था। बीसवीं सदी के पहले दशक में ऐसी स्त्रियों की जमात पैदा हो गयी थी, जिन्हें शिक्षित होने का मौका मिला था। अपनी शिक्षा और ज्ञान का उपयोग वे लिख कर सार्वजनिक स्पेस बनाने में कर रही थीं। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान महिलाओं ने अपने लेखन में गंभीर राजनीतिक चेतना का परिचय दिया है। उन्होंने कविता, कहानी और उपन्यास के अलावा बहुत बड़ी संख्या में सामाजिक–राजनीतिक निबंध लिखे। उनके लेखन के दो महत्वपूर्ण छोर थे– एक, भारतीय महिलाओं की सामाजिक स्थिति की विवेचना करना तथा दूसरा, स्वतंत्रता संग्राम के परिदृश्य पर नजर बनाये रखना। प्रियंवदा देवी, सावित्री देवी, मनोरमा गुप्त, लीला सूद, सरस्वती देवी, अमला देवी, हीरादेवी चतुर्वेदी, कमला चौधरी, हंसा मेहता, बेगम शीरीं सरीखी दर्जनों महिलाएं थीं, जो स्त्रियों की स्थिति की सामाजिक पड़ताल कर रही थीं। पर्दा प्रथा की बुराई का जिक्र करते हुए अमला देवी के निबंध का शीर्षक है– 'हृदय पर का पर्दा हटाओ', मद्रास की एक विदुषी नाम से एक लेखिका ने लिखा, 'विवाहिता पर्दानशीन स्त्रियां क्या करें?', एक ने लिखा, नारी क्या करे, लीलामणि नायडू लिखतीं हैं–स्त्रियां क्या नहीं कर सकतीं?श विजयलक्ष्मी पंडित लिखती हैं– नारी जाति के सामने काम, तो मनोरमा गुप्त लिखतीं हैं–आधुनिक युवती क्या चाहती है?, शिक्षा को स्त्री उत्थान का आवश्यक हिस्सा बताते हुए यशवंती देवी द्विवेदी लिखतीं हैं– क्या शिक्षित कन्याएं भार स्वरूप हैं?, सरोजिनी नायडू आह्वान करती हैं– मन से हीनता की भावना मिटा दोश और शस्त्रियों को खिलौना न समझोश। इन विचारोत्तेजक लेखों के जरिये स्त्रियां अपना सार्वजनिक स्पेस निर्मित कर रही थीं। देशभर में स्त्री संगठन बन रहे थे। लेखिकाओं के लिए स्त्री के अधिकार, सामाजिक विकास में भूमिका आदि पर विचार के साथ एक बड़ा उद्देश्य राजनीतिक स्वतंत्रता प्राप्त करना था। स्वतंत्र हुए देश का नक्शा कैसा होगा, वे उसे भी ठोस यथार्थ के धरातल पर बिना किसी भावुकता के अपने सहज अनुभव और चेतना के आधार पर बयान कर रही थीं। राष्ट्रप्रेम में पगे गीतों एवं कविताओं के अलावा आजादी पूर्व स्त्री लेखन में जो महत्वपूर्ण चीज प्रमुखता से दिखती है, वह है आजादी को परिभाषित करने की उत्कट इच्छा। वे लेखिकाएं न सिर्फ लेखन कर रही थीं, बल्कि वास्तविक अर्थों में सभ्यता समीक्षा कर रही थीं। 'शृंखला की कड़ियां' (महादेवी) इसका ठोस प्रमाण है।

यहां होमवती देवी की एक कहानी 'स्वप्नभंग' उल्लेखनीय है। आजादी घोषित होनेवाली है, गहमागहमी और अफवाहों का बाजार गर्म है। कबाड़ी की दूकान चलानेवाला गफूर मियां अपने साथ उठने–बैठने वालों की बेचौनी रोज देख रहा है। वे लोग नये बने मुल्क में सुंदर भविष्य की आशा में जाने की तैयारी कर रहे हैं और औने–पौने अपना कबाड़ और ले जा सकने योग्य सामान भी उसे बेच रहे हैं। नये बने मुल्क के बारे में वह बेचौन होता है और उसे अपनी अभावग्रस्त जिंदगी बेकार लगने लगती है। अपनी धरती, अपना वतन छोड़ने के नाम पर उसका मन कांप जाता है, लेकिन जब मौलवी जी पाकिस्तान जाने की तैयारी में उसके यहां तीतर बेचने आते हैं, तो वह घबरा जाता है और स्वयं भी वहां जाने की सोचता है। घर जाकर पत्नी हमीदन को जाने की तैयारी करने को कहता है, पर वह साफ मना कर देती है। मुल्ला जी भी पाकिस्तान जाने का विचार त्याग देते हैं, पाकिस्तान की वास्तविकता जान कर गफूर का भी स्वप्नभंग होता है। गफूर के घर में एक भैंस है, जिसका दूध हिंदू भी पीते हैं और मुसलमान भी। उसके आसपास कोई तनाव नहीं है, लेकिन वह आशंका के कारण तनाव की सश्ष्टि करता है। अंतर्विरोधी स्थितियों को सश्जित कर लेखिका ने यह बताने की कोशिश की है कि हम किस प्रकार नकली आशंका से ग्रस्त होकर तनावपूर्ण हो जाते हैं। लेखिका ने अपरिचय की स्थिति में पैदा होने वाली असंगतियों और तनाव का कलात्मक वर्णन किया है, साथ ही अंधराष्ट्रवाद, सांप्रदायिक वैमनस्य और पितश्सत्ता की आलोचना की है।

स्त्री रचनाकारों के यहां निकट का अपरिचय समाप्त करना एक राष्ट्र होने की पहली शर्त है। हमने दूर को तो ज्ञान–विज्ञान के सहारे निकट खींच लिया है, अन्य ग्रहों की यात्रा कर आये हैं, लेकिन निकटता की दूरी बढ़ा ली है। यह अपरिचय की स्थिति सहानुभूति, संवेदनशीलता और सहभागिता के जरिये ही समाप्त की जा सकती है। महादेवी ने समाधान सुझाते हुए स्वतंत्रता की जो वैकल्पिक अभिनव समझ स्त्री रचनाकारों की तरफ से दी है, वह महत्वपूर्ण है।

आजादी के अमृत महोत्सव में शामिल हुए सांसद: संजय सिंह

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। देश इस बार स्वतंत्रता दिवस के साथ साथ अपनी आजादी के 75 वर्ष पूरे कर रहा है। इस बार स्वतंत्रता दिवस पर हर भारतीय जश्न मना रहा है सभी देशवासियों ने बड़ी धूमधाम के साथ इस साल स्वतंत्रता दिवस मनाया। इस मर्तबा देश 75वें दिवस पर आजादी का अमश्त महोत्सव मना रहा है। भारत सरकार ने लोगों की दिलों में ऊर्जा और एकता का जोश भरने के लिए श्हर घर तिरंगाश अभियान भी शुरू किया। जिसके चलते सभी देशवासियों से अपने घर पर 13 अगस्त से 15 अगस्त तक तिरंगा लगाने के लिए प्रध ानमंत्री ने अपील की।

मालूम हो कि आसिफ उल्ला खान संपादक राजीव विचारधारा हिंदी दैनिक समाचार पत्र के बैनर तले काफी वर्षों से अमीनाबाद स्थित नजीराबाद चौकी पर स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रम का आयोजन करते आ रहे हैं। इस वर्ष भी बड़ी धूमधाम के साथ आजादी के 75 वर्ष पूरे होने पर पत्रकार एवं समाज सेवियों को प्रतीक चिन्ह एवं मालयार्पण कर सम्मानित किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में आदमी पार्टी के राज्य सभा संसद सदस्य संजय सिंह विशिष्ट अतिथि महापौर संयुक्ता भाटिया एवं पूर्व प्रत्याशी मध्य विधानसभा नदीम अशरफ जायसी, बार काउंसिल अध्यक्ष सुरेश पांडेय, नसीम पंडित, उस्मान, आदि के अतिरिक्त बड़ी संख्या में लोग उपस्थिति रहे। इस महा पर्व के मौके पर सांसद संजय सिंह ने कहा कि हम सब हिंदुस्तानी हैं। अगर हमें अपनी एकता के लिए भी सुबूत देना पड़े तो हम सबके लिए बड़ी शर्म की बात है हम सब एक हैं। तभी इतने वर्षों से देश में अमन और शांति के साथ रह रहे हैं। इससे बड़ा और क्या सबूत हो सकता है। उन्होंने अहमदाबाद में तीसरी कक्षा में पढ़ने वाले मासूम छात्र को मास्टर की मटकी से पानी पीने पर बुरी तरह पीटा जिससे उसकी 23 दिन के बाद इलाज के दौरान मृत्यु हो गई। मास्टर छैल सिंह जैसे लोगों की वजह से देश कहीं ना कहीं आज भी जात पात के चक्कर में मानसिक रूप से नहीं बदल पा रहा। यह घटना बड़ी निंदनीय है। इसकी जितनी निंदा की जाए कम है। ऐसे लोगों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। पूर्व प्रत्याशी मध्य विधान नदीम अशरफ जायसी ने कहा आज देश 75वीं स्वतंत्रता दिवस का अमश्त महोत्सव मना रहा हैं। आज हम देश पर कुर्बान हुए उन सभी वीरों को याद करते हैं और आजादी का जश्न मनाते हैं। जिन्होंने देश के लिए अपनी जानों को निछावर कर दिया। वासिफ उल्लाह खान ने सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद त्यागी के उस वीडिओ का जिक्र करते हुए कहा कि तिरंगे का बहिष्कार करो, इसने हिंदुओं को बर्बाद किया। हम भगवा ध्वज लहराएंगे ऐसे लोग भारत की एकता और अखंडता के लिए खतरा हैं। जो देश को तोड़ने का काम कर रहे हैं। यही नहीं सरकार द्वारा हर घर तिरंगा अभियान योजना को पलीता लगाने का काम कर रहे हैं। ऐसे समय में अराजक तत्वों का यह बयान जो देश की एकता को तोड़ने का काम कर रहा है। ऐसे लोगों के साथ सरकार को सख्ती से निपटना चाहिए। उन्होंने कहा कि पत्रकार सैफ साबरी द्वारा शहर में अपनी निष्पक्ष पत्रकारिता के चलते एक अलग पहचान बनाई है। जिन्हें आज सांसद संजय सिंह द्वारा प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया है। इस मौके पर सैफ साबरी, अजीज सिद्दीकी, एम एस खान, परवेज अख्तर, एन आलम के अलावा कई अन्य पत्रकारों को सम्मानित किया गया।

मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के अंतर्गत पंजीकृत 270 छात्रो को दिया गया टेबलेट

लखनऊ। प्रदेश के समाज कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरूण ने मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के तहत मंगलवार को छत्रपति शाहू जी महाराज शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान, भागीदारी भवन में आयोजित निःशुल्क टैबलेट कार्यक्रम मे 270 छात्र छात्राओं को टेबलेट वितरित किया।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना आर्थिक रूप से कमजोर प्रतियोगी छात्रों को निःशुल्क प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करायी जा रही है। प्रतिभावान प्रतियोगी छात्र, जो आर्थिक रूप से कमजोर होने के कारण प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी अच्छे से नहीं कर पाते थे।

वे अब मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के माध्यम से तैयारी कर रहे हैं। राष्ट्र के लिए हम क्या कर सकते हैं इसके लिए हमें काम करना है।

मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना को बेहतर प्रबंधन के तहत संचालित किया जा रहा है। इसके अंतर्गत बेहतर शिक्षकों के द्वारा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की जा रही है।

प्रजापति समाज के लोगो को मूर्तियों के साँचो का किया गया वितरण

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी श्री राम औतार यादव ने बताया है कि आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर उ0प्र0 माटीकला बोर्ड के तत्वाधान में श्री गणेश–लक्ष्मी जी की मूर्ति के प्लास्टर आफ पेरिस के मास्टर मोल्डध डाई निःशुल्क वितरण समारोह का आयोजन आज दिनाँक–16.08.2022 को स्थान–जिला खादी ग्रामोद्योग कार्यालय, 59 नया कटरा प्रयागराज में किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि मा0 श्री अजीत प्रजापति जी सदस्य उ0प्र0 माटीकला बोर्ड के कर कमलों द्वारा प्रजापति समाज के लोगो को मूर्तियों के साँचो का वितरण किया गया।

श्री अजीत प्रजापति जी द्वारा प्रजापति समाज के लोगो को जागरुक करते हुये कहा कि उ0प्र0 सरकार द्वारा प्रजापति समाज के लोगो के जीवन स्तर को ऊँचा उठाने के लिये पृथक रुप से उ0प्र0 माटीकला बोर्ड का गठन किया गया है। सरकार द्वारा माटीकला बोर्ड के माध्यम से प्रजापति समाज के लिये कई योजनाएं संचालित की गयी हैं जिसका लाभ समाज के लोग अवश्य उठायें। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि द्वारा

प्रजापति समाज के लोगो के उज्जवल भविष्य की कामना की गयी। इस अवसर पर कार्यालय के श्री राकेश मोहन गुप्ता, राम करन दुबे, ओ.पी. मौर्या, सुनील कुमार गौतम एवं अन्य कर्मचारी भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में मूर्तिकला के साँचे प्राप्त करने वाले समूह के सदस्य श्री रमेश प्रजापति निवासी वार्ड सं0–9, चक भटाई नैनी, राज नारायण प्रजापति निवासी ग्राम–तिसौरा, फूलपुर, शिव बाबू निवासी ग्राम–तरती, वि0ख0–होलागढ़, तहसील–सोरांव व कमलेश प्रजापति निवासी ग्राम–चक हुसैना बगई खुर्द, वि0ख0–सहसों, तहसील–फूलपुर आदि मौजूद रहे।

नौकरी के नाम पर महिला से लिए रुपये, प्रबंधक गिरफ्तार

लखनऊ। लखनऊ पुलिस ने उन्नाव के रानी लक्ष्मी बाई कन्या विद्या मंदिर इंटर कालेज के प्रबंधक को धोखाधड़ी के मामले में गिरफ्तार किया है। उसने एक महिला को शिक्षिका की नौकरी दिलाने के नाम पर 16.50 लाख रुपये ठग लिए थे। इन्दिरानगर के निजामुद्दीन चांदन निवासी मंजू लता सिंह ने बताया कि 2017 में इंदिरानगर में प्लेसमेंट एजेसी जलाने वाले अमित यादव ने स्कूल में नौकरी दिलाने का वादा किया था। उसकी बातों में आकर उन्नाव स्थित रानी लक्ष्मी बाई कन्या विद्या मन्दिर इंटर कॉलेज के प्रबंधक वीरेंद्र सिंह से मुलाकात की। उन्होंने 15 लाख रुपये में नौकरी दिलाने का दावा किया। उनकी बातों में आकर 15 लाख वीरेंद्र और अमित को कमीशन के तौर पर 1.50 लाख रुपये दे दिए। इन लोगों ने ज्वाइनिंग लेटर आजकल देने की बात कह महीनों टरकाते रहे। पुलिस से शिकायत करने की बात कहने पर मारपीट कर पर्स लूट लिया। जिसमें इनसे जुड़े साक्ष्य, रुपये और सोने की चेन थी। उसके बाद दोबारा तकादा करने पर जान से मारने की धमकी दी। इंस्पेक्टर इंदिरानगर डॉ. रामफल प्रजापति ने बताया कि पीड़िता मंजू लता ने आरोपियों के खिलाफ एक अप्रैल 2019 में मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर तीन साल से फरार चल रहे विभूतिखण्ड निवासी आरोपी प्रबंधक वीरेंद्र सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया है। मूल रूप से प्रतापगढ़ भुआलपुर निवासी वीरेंद्र रानी लक्ष्मी बाई कन्या विद्या मन्दिर इंटर कॉलेज उन्नाव में चलाता है। उसका आपराधिक इतिहास खंगाला जा रहा है।

जनपद न्यायालय में माननीय प्रभारी जनपद न्यायाधीश ने किया ध्वजारोहण

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर माननीय प्रभारी जनपद न्यायाधीश श्री आर के शुक्ल द्वारा ध्वजारोहण किया गया ।आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत हर घर झंडा कार्यक्रम की महत्ता को माननीय प्रभारी जनपद न्यायाधीश द्वारा समस्त न्यायिक अधिकारीगण कर्मचारीगण व शराविधिक स्वयं सेवक को बताया गया। इस अवसर पर श्री शैलेंद्र श्रीवास्तव द्वारा देश भक्ति की कविता पाठ किया गया। श्री मनीष निगम अपर जनपद न्यायाधीश द्वारा समस्त अधिकारियों व कर्मचारियों को संबोधित करते हुए हर घर झंडा कार्यक्रम के महत्व को बताते हुए एक देश भक्ति गीत प्रस्तुत किया गया। नोडल अधिकारी श्रीमती निशा झा की अध्यक्षता में न्यायिक अधिकारी गण द्वारा सारे जहां से अच्छा ग्रुप

सॉन्ग प्रस्तुत किया गया। आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत जिला विधिक सेवा में कार्यरत प्राविधिक स्वयंसेवकों द्वारा जनपद न्यायालय से एक रैली निकाली गई जिसका शुभारंभ प्रभारी जनपद न्यायाधीश द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती रश्मि सिंह एडीजे द्वारा किया गया। आजादी के अमृत महोत्सव के कार्यक्रम में पीठासीन अधिकारी परिवार न्यायालय पीठासीन अधिकारी मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण याचिका अध्यक्ष बार एसोसिएशन इलाहाबाद व अन्य न्यायिक अधिकारी कर्मचारी गण पर परा विधिक सेवक उपस्थित रहे ।यह जानकारी कार्यालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण इलाहाबाद द्वारा प्रदान की गई।

इन्दिरानगर मे जैन समाज ने निकाली तिरंगा यात्रा

लखनऊ। इन्दिरा नगर जैन समाज ने 15 अगस्त को आचार्य दयासागर के सानिध्य में ध्वजारोहण हुआ। बाद मे तिरंगा यात्रा निकाली गई। इस मौके पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रो. राज करण साही एवं क्षेत्रीय पार्षद दिलीप श्रीवास्तव द्वारा ध्वजारोहण किया गया। आचार्य श्री ने अपने उदबोधन ने कहा की गरीब वो नहीं है जिसके पास धन नहीं है गरीब वो है जिसके ह्रदय में देश प्रेम नहीं है। आचार्य श्री ने यह भी बताया की हमें अपनी शिक्षा व्यवस्था में भी सुधार लाने की आवश्यकता है जिससे हमारे देश की प्रतिभा विदेश न जाए। इस अवसर पर अभिषेक जैन, अनूप जैन, मनोज जैन, अनुरोध जैन, संयम जैन, कौशल जैन, ऋषभ जैन, अरविंद जैन, शिप्रा जैन, अतिशय जैन, आयुष जैन आदि उपस्थित हुए।

स्वतंत्रता सेनानी सुभद्रा कुमारी चौहान पर आधारित प्रदर्शनी का आयोजन

प्रयागराज। हिन्दुस्तानी एकेडेमी उ०प्र०, प्रयागराज, राजकीय पाण्डुलिपि पुस्तकालय, संस्कृति विभाग, प्रयागराज तथा जिला प्रशासन, प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में आजादी का अमृत महोत्सव में स्वतंत्रता सप्ताह (11 –17 अगस्त 2022) के अंतर्गत मंगलवार एकेडेमी स्थित गाँधी सभागार में स्वतंत्रता सेनानी सुभद्राकुमारी चौहान पर प्रदर्शनी एवं संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ सरस्वती जी की प्रतिमा एवं स्वतंत्रता सेनानी सुभद्राकुमारी चौहान के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम का प्रारम्भ श्री शिपू गिरि (मुख्य विकास अधिकारी, प्रयागराज) एकेडेमी के सचिव देवेन्द्र प्रताप सिंह ,पांडुलिपि अधिकारी के द्वारा किया गया। इस अवसर पर आजादी का अमृत महोत्सव के क्रम में स्वतंत्रता आन्दोलन में ब्रिटिश सरकार द्वारा प्रतिबंधित एवं राष्ट्रभक्ति गीतों को संकलित कर एकेडेमी से प्रकाशित पुस्तक आजादी के तराने नामक पुस्तक का विमोचन किया गया। कार्यक्रम के अंत में आए मुख्य अतिथि इंजी हर्षवर्धन वाजपेयी ने कहा कि 2047 में आजादी का 100वां वर्षगाँठ मनायेगा तब हम पूर्ण विकसित देशों की श्रेणी में आ गये होंगे । कार्यक्रम के प्रारम्भ में प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए विशिष्ट अतिथि शिपू गिरि (मुख्य विकास अधिकारी, प्रयागराज ने अपने उद्बोधन में कहा कि प्रयागराज कला, संस्कृति, शिक्षा का केन्द्र रहा है। यहीं से आजादी के आंदोलन की दिशा तय की जाती थी स्वतंत्रता सेनानी सुभद्राकुमारी चौहान के काव्य में राष्ट्रीय चेतना विषयक संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए डॉ. कल्पना वर्मा ने कहा कि श्सुभद्रा कुमारी चौहान की कविताओं में राष्ट्रीय चेतना पूर्णतः समाहित है। यह उन्हें अपने पिता से विरासत में मिली थी। उनकी रचनाओं में जो ओज है वह जन समूह में लोकप्रिय हो कर वह रहा है। सम्मानित वक्ता डॉ. अलका प्रकाश ने कहा कि श्अपनी ओजपूर्ण कविताओं के लिए सुभद्रा कुमारी चौहान सदैव याद की जायेगी उन्होंने मंच पर पुरुष वर्चस्व को तोड़ा एक स्त्री को अपनी उपस्थिति दर्ज करवाने के लिए दुगुनी प्रतिभा की आवश्यकता होती है । संगोष्ठी की सम्मानित वक्ता डॉ. सरिता शुक्ला ने अपने वक्तव्य में कहा कि सुभद्रा कुमारी चौहान ने महिलाओं में राजनीतिक चेतना और परंपराओं में नहीं सांस्कृतिक चेतना के साथ ही राजनीतिक व्यंग्य चेतना को भी उजागर किया।

कार्यक्रम का संचालन एकेडेमी की प्रकाशन अधिकारी ज्योतिर्म तथा अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन सुश्री अपराजिता सिंह (क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी, प्रयागराज ने किया। कार्यक्रम में उपस्थित विद्वानों में गुलाम सरवर (क्षेत्रीय पाण्डलिपि अधिकारी) परिश्चन्द्र दुबे डॉ. श्लेष गौतम, डॉ. अरुण कुमार त्रिपाठी, श्रीकांत मिश्र , डॉ. प्रभाकर त्रिपाठी, श्याम सुन्दर सिंह पटेल,डॉ.शकिरा तलत, डॉ राम नरेश पाल, राकेश कुमार वर्मा, विकास यादव, शैलेन्द्र यादव एवं शहर के गणमान्य विद्वान आदि उपस्थित रहे।

पत्रकार एसोसिएशन ने हर्षोल्लास के साथ मनाया स्वतंत्रता दिवस

लखनऊ। भारत के सबसे बड़े पर्व स्वतंत्रता दिवस को पूरे देश में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया, लाल किले से लेकर लखनऊ की विधानसभा तक सर्व सम्मान के साथ झंडारोहण किया गया। राष्ट्रगान के साथ जय हिंद, वंदे मातरम, के नारों से समस्त भारत देशभक्ति के रंग से सराबोर हो गया, इसी कड़ी में उ. प्र जिला मान्यता प्राप्त पत्रकार एसोसिएशन के महामंत्री अब्दुल वहीद और सचिव जुबैर अहमद, कोषाध्यछ अभय अग्रवाल, एम एम मोहसिन ने लखनऊ कैसरबाग स्थित अपने कार्यालय में पत्रकार, पुलिसकर्मी, समाजसेवी, बुजुर्ग, युवाओं और बच्चों के साथ मिलकर अपने देश की आन बान शान तिरंगे को देशभक्ति की भावना में डूब कर पूरे सम्मान के साथ झंडारोहण किया। झंडारोहण के उपरांत

राष्ट्र गान को सब ने मिलकर गाया और जय हिंद वंदे मातरम भारत माता की जय इंकलाब जिंदाबाद के नारों से पूरा कैसरबाग गूंज उठा। स्वतंत्रता दिवस के इस पावन पर्व पर उ. प्र. जिला मान्यता प्राप्त पत्रकार एसोसिएशन ने पुलिस कर्मियों, पत्रकारों,वकीलों, डॉक्टरों, समाजसेवियों,बुजुर्गों ,युवाओं और बच्चों को "तिरंगा सेवा सम्मान" से सम्मानित भी किया। इस आयोजन में विशिष्ट अतिथि के रूप वामिक खान और सलाउद्दीन सिद्दीकी एडवोकेट मौजूद थे।

राज्य व्यवसायिक प्रशिक्षण परिषद में लगी आग

लखनऊ। सोमवार रात अलीगंज स्थित राज्य व्यवसायिक प्रशिक्षण परिषद के ऑफिस में आग लग गई। सूचना पर पहुंची दमकल की तीन गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। आग से वहां रखे कंप्यूटर से लेकर सरकारी दस्तावेज जलकर राख हो गए। प्रारंभिक जांच में आग शॉर्ट सर्किट से लगने की बात सामने आई है। अलीगंज पुलिस के मुताबिक शुक्रवार रात को राज्य व्यवसायिक प्रशिक्षण परिषद में आग लगने की सूचना मिली थी। दमकल की गाड़ियों ने समय रहते आग पर काबू पा लिया। जिससे ज्यादा नुकसान नहीं हुआ। आग से ऑफिस में रखे कंप्यूटर और दस्तावेज जल गए हैं। ऑफिस बंद होने से दरवाजे को तोड़ना पड़ा। इलेक्ट्रानिक आइटम और फर्नीचर में आग लगने से बिल्डिंग में धुआं भर गया था।

चिनहट में व्यापारी के घर से 17 लाख की चॉकलेट चुरा ले गए चोर

लखनऊ। लखनऊ में अनोखी चोरी हुई। कारोबारी की गैरमौजूदगी में चोरों ने घर के बाहर लोडर लगाया। घर में बने गोदाम में रखी करीब 17 लाख कीमत की कैडबरी चॉकलेट चोरी कर ले गए। सबूत न बचे, इसलिए भागने से पहले सीसीटीवी की डीवीआर भी चोरी कर ले गए हैं। चिनहट में देवराजी विहार इलाके में ये चोरी हुई। ओमेक्स सिटी में कारोबारी राजेंद्र सिंह सिद्धू के मुताबिक उनका एक घर चिनहट में है। वो 2 महीने पहले तक परिवार के साथ वहीं रहते थे। मौजूदा वक्त में ओमेक्स सिटी में रहते हैं। मंगलवार सुबह 7 बजे चिनहट वाले मकान में उनके पड़ोस में रहने वाली शीलू सिंह ने घर के अंदर के दरवाजा खुले होने के बारे में बताया। उन्होंने घर आकर देखा, तो मैनगेट बंद था। मगर अंदर के दरवाजे खुले पड़े थे। समान बिखरा पड़ा था। चोरों ने मैनगेट का लॉक तोड़ने का प्रयास किया था।

मगर लॉक नहीं टूटने पर बाउंड्रीवॉल फांदकर अंदर पहुंचे थे। अंदाजा लगाया जा रहा है कि इतनी चॉकलेट शिफ्ट करने के लिए चोर लोडर लेकर आए थे। उन्होंने घर के अंदर गोदाम में रखी करीब 17 लाख कीमत की चॉकलेट चुरा ले गए। साथ ही घर में रखा कीमती सामान भी समेट लिया। कारोबारी ने सीसीटीवी जांचा। ताकि वीडियो फुटेज देखी जा सके। तो चोर डीवीआर भी उखाड़कर ले गए थे। इस चोरी के बारे में 8 बजे पुलिस ने जांच पड़ताल की। लोगों का कहना है कि रात को एक लोडर काफी देर सड़क किनारे खड़ा था। रात को उसके आने–जाने की आवाज भी सुनाई दी थी।

हापुड़ कचहरी में फायरिंग कर कैदी की हत्या,मचा हड़कंप

लखनऊ। कचहरी गेट पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर कैदी की हत्या की घटना से हड़कम्प मच गया है। कानून व्यवस्था की ध ज्जियां उड़ाई जाने की यह घटना हापुड़ में हुई है। यूपी के हापुड़ में कचहरी के गेट के पास ताबड़तोड़ फायरिंग कर

एक कैदी की हत्या कर दी गई। बताया जा रहा है कि मारे गए कैदी को हरियाणा से पेशी पर लाया गया था। फायरिंग की घटना में हरियाणा पुलिस का एक सिपाही भी घायल है। मिली जानकारी के अनुसार मारा गया कैदी लाखन हरियाणा के अन्नागपुर का रहने वाला था। वह 2019 में धौलाना क्षेत्र में हुई हत्या के आरोप में जेल में बंद था। आज मंगलवार को उसे पेशी पर हापुड़ कोर्ट लाया गया था लेकिन कोर्ट के गेट के पास ही बदमाशों ने ताबड़तोड़ गोलियां बरसाकर उसे मौत के घाट उतार दिया। घटना में लाखन के साथ ड्यूटी पर आया हरियाणा पुलिस का सिपाही घायल हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार फायरिंग की घटना उस समय हुई जब कैदी को पुलिस वैन से उतारा जा रहा था। ताबड़तोड़ फायरिंग के बाद बदमाश मौके से फरार हो गए। घटनास्थल पर गोली लगने से तड़प रहे कैदी को लेकर पुलिसकर्मी आनन–फानन में अस्पताल पहुंचे जहां थोड़ी देर बाद डॉक्टरों ने उसे मश्त घोषित कर दिया। गोली लगने से घायल सिपाही का इलाज चल रहा है। कचहरी जैसे सुरक्षित क्षेत्र में इस तरह ताबड़तोड़ फायरिंग की घटना से सनसनी फैल गई है। मौके पर पुलिस के आला अफसर पहुंचे। पुलिस अधिकारी इस बारे में कुछ भी बोलने से बच रहे हैं।

स्कूली बच्चों के द्वारा देश भक्ति से परिपूर्ण गीत, नाटक एवं नृत्य का किया गया प्रदर्शन

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। जनपद में सोमवार को स्वतंत्रता दिवस हर्षोउल्लास एवं गौरवपूर्ण ढंग से मनाया गया। इस अवसर पर जनपद में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। पुलिस लाइन में आयोजित कार्यक्रम में मा0 कैबिनेट मंत्री श्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने ध वजारोहण किया तथा वहां पर लगायी प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। झंडारोहण के बाद मा. मंत्री जी ने वहॉ पर आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्जवलन कर शुभारम्भ किया। आयोजित कार्यक्रम में मा0 मंत्री जी एवं मा0 सांसदगण एवं वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कायक्रमों में प्रतिभाग करने वाले स्कूलों, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियो एवं उनके परिजनों, पुलिस शहीदों के परिजनों, खिलाडियों एवं ख्याति प्राप्त साहित्यकारों को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कुल 75 लोगों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न स्कूलों के बच्चों के द्वारा देश भक्ति से सम्बंधित गीत, नाटक एवं नृत्य प्रस्तुत कर उपस्थित लोगो को मंत्रमुग्ध कर दिए। कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले स्कूलों में सेंट एंथोनी, ज्वाल देवी, माधव ज्ञान

केन्द्र, डी0पी0 गर्ल्स कालेज, बी0बी0एस0 इण्टर कालेज शिवकुटी, रानी रेवती देवी इण्टर कालेज, के0पी0 गर्ल्स कालेज सहित अन्य स्कूलों के द्वारा शानदार प्रस्तुति की गयी।

इस अवसर पर मा0 मंत्री जी ने अपने सम्बोधन में कहा कि आज के दिन भारत माता को अंग्रेजो की गुलामी से मुक्ति मिली थी। यह आजादी हमारे लिए बेशकीमती है। इस आजादी के लिए कितनी बहनों ने अपने भाई, कितनी ही माताओं ने अपने पुत्रों, कितनी ही पत्नियों ने अपने सुहाग, कितने बच्चों ने अपने पिता की कुर्बानी देते हुए देखा है और उसका दर्द सहा है। इन अमर शहीदों ने अपने प्राणों की आहूति देकर देश को आजाद कराया और हमें आजाद भारत में रहने का मौका दिया। ऐसे स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को मैं सिर झुकाकर शत–शत नमन करते हुए उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। उन्होंने कहा कि आज प्रयागराज शहर व गांव के कोने–कोने तक तिरंगा झण्डा लहरा रहा है। मा0 प्रधानमंत्री जी के आह्वाहन पर आज प्रत्येक भारतीय उत्साह एवं उमंग के साथ आजादी की 75वीं वर्षगाठ मना रहा है। उन्होंने कहा कि तिरंगा हमारे शौर्य और समृद्धि का प्रतीक है। इस अवसर पर स्कूली बच्चों द्वारा प्रस्तुत किए गए देशभक्ति से सम्बंधित कार्यक्रम की मा0 मंत्री जी ने तारीफ करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर मा0 सांसद प्रो0 रीता बहुगुणा जोशी, मा0 सांसद श्रीमती केशरी देवी पटेल, मा0 विधायक शहर उत्तरी हर्षवर्धन वाजपेयी, एमएलसी श्री सुरेन्द्र चौधरी, मण्डलायुक्त श्री विजय विश्वास पंत, एडीजी जोन श्री प्रेम प्रकाश, आईजी श्री राकेश सिंह, जिलाधिकारी श्री संजय कुमार खत्री, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री शैलेश कुमार पाण्डेय, मुख्य विकास अधिकारी श्री शिपू गिरि, परियोजना निदेशक श्री अशोक कुमार मौर्या, जिला विकास अधिकारी श्री भोलानाथ कनौजिया सहित अन्य मा0 जनप्रतिनिधिगण व विशिष्ट अतिथिगणों के अलावा स्कूली बच्चे एवं काफी संख्या में लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का ओजपूर्ण ढंग से संचालन डॉ0 प्रभाकर त्रिपाठी के द्वारा किया गया।

मोनार्क सिटी में सड़क व नाली निर्माण कार्य का शुभारम्भ

लखनऊ। पारा रोड स्थित मोनार्क सिटी में सड़क निर्माण व जलनिकास हेतु नाली निर्माण कार्य का शुभारम्भ हैदरगंज तृतीय वार्ड के पार्षद सरोज रावत ने किया।

मोनार्क सिटी रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के पदाधिकारियों की उपस्थिति में पार्षद सरोज रावत ने नारियल फोड़कर निर्माण कार्य का शुभारम्भ किया।

सड़क निर्माण का कार्य सिटी कॉलोनी में ओम मार्बल से एवरग्रीन मोंटेसरी स्कूल तक किया जायेगा। इस अवसर पर मोनार्क सिटी के निवासियों ने सड़क व नाली निर्माण पर प्रसन्नता जताई।

इस अवसर पर राजाराम, श्री गोविन्द यादव, गौरव पाठक, के पी यादव, निसार अहमद, योगेश वर्मा, राजेन्द्र चौरसिया, अरविन्द यादव, श्री संजय अग्रहरि, अजय अग्निहोत्री, सुनील सिंह, संजय तिवारी, अजीत मौर्य, राजू श्रीवास्तव, सुरेश बाजपेई, अनिल कुमार वर्मा एवं ज्ञानेश्वर श्रीवास्तव सहित कॉलोनी के निवासी उपस्थित थे।

मस्जिद ट्रस्ट ने धन्नीपुर में फहराया तिरंगा

अयोध्या। 15 अगस्त आजादी के अमृत महोत्सव पर अयोध्या के धन्नीपुर में मस्जिद निर्माण स्थल पर इंडो इस्लामिक कल्चर ट्रस्ट ने तिरंगा फहरायास इस दौरान अयोध्या विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष विशाल सिंह भी शामिल रहे। इस अवसर पर सस्वर राष्ट्र गान कर भारत माता के जयकारे लगाए गए। ट्रस्ट ने कहा तीन माह में मस्जिद का मानचित्र स्वीकृत होने के बाद शुरू हो जाएगा निर्माण। इंडो इस्लामिक कल्चर फाउंडेशन ट्रस्ट के सदस्य अरशद अफजल ने जानकारी देते हुए बताया कि आजादी के 75वीं वर्षगांठ पर झंडारोहण किया गया। ध वजारोहण का कार्यक्रम हर 26 जनवरी और 15 अगस्त को होता रहेगा। यह हमारा नेशनल फेस्टिवल है। यह जगह जो मस्जिद बनाने के लिए मिली है, यहां जो भी कॉम्प्लेक्स बनेगा, वह मुस्लिम और हिंदू एकता का प्रतीक होगा। अयोध्या विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष विशाल सिंह ने बताया, यहां ध्वज फहराने के कार्यक्रम में शामिल होकर बहुत अच्छा लगा। आजादी का अमश्त महोत्सव हम लोग बड़े ही फक्र से मना रहे हैं। तिरंगा झंडा फहराया गया है। इस स्थान पर मस्जिद निर्माण की प्रक्रिया जल्द शुरू होगी।

आठ किमी लंबी तिरंगा यात्रा निकली

बहराइच। आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम की श्रंखला में सोमवार को पयागपुर विध ायक सुभाष त्रिपाठी के नेतृत्व में आठ किलोमीटर लंबी विशाल तिरंगा पदयात्रा निकाली गई । पदयात्रा में हुजूरपुर ब्लॉक प्रमुख अजीत प्रताप सिंह विधायक प्रतिनिधि ा निशंक त्रिपाठी सहित सभी भाजपा पदाधिकारी कार्यकर्ता तथा लगभग पांच हजार क्षेत्रीय लोग शामिल हुए। सोमवार शाम 4 बजे पयागपुर विधायक सुभाष त्रिपाठी के नेतश्त्व में स्थानीय रामालय गेस्ट हाउस से हजारों की संख्या में लोग राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा लहराते हुए निकले तो ऐसा लग रहा था कि जैसे तीन रंगों का जन सैलाब उमड़ आया हो। भारत माता की जय,और वंदे मातरम का उद्घोष करते हुए हजारों लोग पयागपुर बस स्टॉप से होते हुए राम प्रकाश बाबा सचौली बागेश्वर नाथ कोटबाजार होते हुए भूपगंज बाजार पहुंचे।

जहा समाज सेवी मनदीप माहेश्वरी, योगेंद्र सिंह और आलोक रस्तोगी सहित दर्जनों लोगो ने तिरंगा यात्रियों पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। राजा फार्म के पास पंकज माहेश्वरी ने तिरंगा यात्रियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। यहां से तिरंगा यात्रा पैतोरा मोड़ होते हुए बस स्टैंड पर पहुंचकर जनसभा के रूप में बदल गई। रामालय गेस्ट हाउस में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि विधायक सुभाष त्रिपाठी ने कहा कि इस तिरंगे की आन बान शान हर हाल में कायम रखनी है।

करंट लगने से दो की मौत

बाराबंकी। रामनगर में मंगलवार की सुबह हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से दो लगों की मौत हो गई। दरअसल, एक यूकेलिप्टिस का पेड़ हाईटेंशन लाइन पर गिरा तो तार टूटकर जमीन पर आ गिरा। पुलिस ने दोनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामला रामनगर तहसील क्षेत्र के ग्राम ददौरा का है। क्षेत्र में दो दिनों से तेज बारिश हो रही है। सोमवार को बारिश के साथ ही तेज हवाएं भी चल रही थीं। इसी दौरान एक यूकेलिप्टिस का पेड़ जमीन पर गिर गया। वहीं से 11 हजार वोल्टेज की हाईटेंशन लाइन जा रही थी। पेड़ गिरने से तार टूटकर जमीन पर गिर गई। गुल्ले का 13 साल का बेटा लवकुश गिरे पेड़ को देखने के लिए घर से निकला। पेड़ के पास पहुंचते ही तार की चपेट में आ गया। किशोर को तड़पता देख मौजूद देशराज (35) बचाने के लिए दौड़े। लवकुश को बचाने के चक्कर में वह भी करंट की चपेट में आ गए। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीयों लोगों ने तुरंत इसकी सूचना विद्युत विभाग की दी। वहां से सप्लाई बंद करवाया। पुलिस भी मौके पर पहुंची।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

प्रयाग दर्पण संवाददाता

दरियाबाद(बाराबंकी)। स्वाधीनता के 75वीं वर्षगांठ को जनपदवासियों ने बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया। सरकारी और निजी सभी संस्थाओं में राष्ट्रप्रेम से जुड़े सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम रही। जगह जगह युवाओं का जत्था देश प्रेम के गीतों पर झूमता नजर आ रहा था। हाथों में तिरंगा और होठों पर मां भारती के जयघोष के साथ तिरंगा यात्रायें निकाली गयीं । शिक्षण संस्थानों में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला देशभक्ति की अलौकिक छटा बिखेर रही थी।

विकास खण्ड दरियाबाद के मथुरा नगर स्थित हरिप्रसाद वर्मा इण्टर कालेज में स्वतंत्रता दिवस बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। ध्वजारोहण विद्यालय के प्रबन्धक और पूर्व ब्लॉक प्रमुख राम प्रसाद वर्मा ने किया। इस मौके पर पूर्व प्रधान मथुरा नगर सत्यवान वर्मा,प्रध ानाचार्य आरती सिंह,आनन्द वर्मा समेत तमाम अभिभावक उपस्थित रहे। विद्यालय के बच्चों ने देशभक्ति से जुड़ी मनोहारी झांकियां निकालीं। प्राथमिक विद्यालय मीननगर में स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि खण्ड शिक्षा अधिकारी प्रमोद कुमार उपाध्याय ने कहा कि देश भक्ति को अपने दैनिक जीवन में आत्मसात करके ही राष्ट्र को उन्नति के मार्ग पर ले जाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि देश के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले वीर शहीदों का सपना राष्ट्र प्रेम को अपनाकर ही साकार किया जा सकता है। उन्होंने प्रधानाध्यापिका क्रांति देवी और अध यापक आकाश शुक्ला के प्रयासों की सराहना की। बच्चों को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में ब्लॉक प्रमुख आकाश पाण्डेय उपस्थित रहे। कम्पोजिट विद्यालय सीवां में ध्वजारोहण किया गया। बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। अध्यापकों ने राष्ट्र भक्ति से जुड़े प्रसंगों को साझा किया। इस मौके पर अध्यापक मनोज कुमार,रमा निवास तिवारी, श्रीकांत मौर्य, सुजीत कुमार, दीपेन्द्र प्रताप सिंह अनुचर कृ ष्ण कुमारी समेत गणमान्य लोग मौजूद रहे। लालबहादुर शास्त्री इण्टर कालेज में स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया गया। बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये।

संक्षिप्त खबरे

बौद्ध भिक्षु का धरना बारहवे दिन भी जारी

बाराबंकी। फतेहपुर तहसील क्षेत्र के ग्राम पपेहरा मजरे खांसी सराय निवासी बौद्ध भिक्षु भंते महेंद्र बोधी व भिक्षुणी संघशीला का अनिश्चितकालीन धरना आज बारहवे दिन भी जारी रहा प्रशासन की ओर से कोई सुनवाई नही की जा रही है। ग्राम पंचायत खासी सराय में पंचायती जमीन से अवैध कब्जा हटवाने, क्षेत्रीय लेखपाल का स्थानान्तरण करने, पंचायत की अनियमितताओ की जांच, अम्बेडकर पार्क व बुद्ध विहार की भूमि से दबंगो का अवैध कब्जा हटवाने समेत विभिन्न समस्याओं को लेकर धरनारत बौद्ध भिक्षु महेंद्र बोधी व भिक्षुणी संघशीला ने बताया कि निरन्तर ग्राम के दबंगों द्वारा उनका उत्पीड़न किया जा रहा है पुलिस व तहसील प्रशासन विपक्षियो की तरफदारी कर रहा है आज बारहवें दिन तक कोई सुध लेने नही आया है दूरभाष पर बात कर सिर्फ अधिकारी भ्रमित कर रहे हैं इसी अनसुनी के विरुद्ध अगला कदम आमरण अनशन होगा फिर भी सुनवाई नही हुई तो मुख्यमंत्री आवास पर जाकर गुहार लगाई जाएगी।

इस बाबत इनके समर्थन में शिवसेना जिला प्रमुख मनोज विद्रोही ने भी प्रशासन से इनके प्रकरण को गंभीरता से लेकर निस्तारण कराने की मांग की है इनके मुद्दे पर शिवसेना भी इनके समर्थन में धरने पर बैठने की तैयारी कर रही।

जिले में जगह-जगह निकाली गई तिरंगा यात्रा

बस्ती। अमृत महोत्सव, स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूर्ण पर भाजपा गनेशपुर मंडल की ओर से चौरवा के हसन पेट्रोल पंप पर आयोजित रक्तदान शिविर का उद्घाटन सांसद हरीश द्विवेदी ने किया। कहा कि स्वतंत्रता एक बड़ा अवसर है। सभी देशवासियों को अपने–अपने घरों में राष्ट्रध्वज फहराकर देश की समश्द्धि, विकास के लिए संकल्प लेना चाहिए। शिविर में आठ लोगों ने रक्तदान किया। रक्तदान के बाद तिरंगा यात्रा निकाली गई। इस मौके पर संयोजक आशीष श्रीवास्तव, मंडल अध्यक्ष धर्मेंद्र जायसवाल, रियाजुल हसन आदि मौजूद रहे। इसी क्रम में दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग की ओर से दिव्यांगों की टाउनक्लब से शास्त्री चौक तक तिरंगा यात्रा निकली।

इस मौके पर सीडीओ डॉ. राजेश कुमार प्रजापति, रिदम एकेडमी की डायरेक्टर डॉ. श्रेया आदि मौजूद रहे। रैली से पहले सभी आचार्य राम चन्द्र शुक्ल की मूर्ति पर माल्यार्पण किया। टाउनक्लब में नगर पालिका परिषद की ओर से 14 अगस्त से संबंधित प्रदर्शनी लगाई गई। इसका उद्घाटन अशोक सिंह तथा महेश शुक्ल ने किया। इस मौके पर एडीएम अभय कुमार मिश्र, ईओ नगर पालिका दुर्गेश्वर तिवारी, प्रेम सागर तिवारी, अमरनाथ सिंह, अरविन्द गौतम आदि मौजूद रहे। विक्रमजोत ब्लॉक में जिला पूर्ति अधिकारी सत्यवीर सिंह के नेतश्त्व में कोटेदारों ने तिरंगा रैली निकाली। लोगों को जागरूक किया। रैली से पहले अधिकारियों ने ब्लॉक स्थित शहीद स्मारक पर फूल–माला चढ़ाया।

नकली काली मिर्च बनाने वाले 4 व्यापारियों को किया गिरफ्तार

शाहजहांपुर। अगर आप बाजार से मसालों के लिए काली मिर्च खरीद रहे हैं, तो सावधान हो जाइए, क्योंकि आजकल नकली मसाले और नकली तेल ही नही काली मिर्च भी मिलावटी हो सकती है। जी हां हम बात कर रहे हैं, शाहजहांपुर में नकली खाद्य पदार्थ की बिक्री करनें वालों की जोकि लोगों के जेब में ही डांका नहीं डाल रहे हैं, बल्कि उनकी सेहत के साथ भी खिलबाड़ कर रहे हैं। ऐसा ही मामला शाहजहांपुर के थाना मदनपुर से सामने आया है, जहां पर मदनापुर पुलिस ने नकली काली मिर्च बनाने वाले 4 व्यापारियों को गिरफ्तार किया है। जहां पुलिस ने व्यापारियों के पास से 8.50 क्विंटल नकली काली मिर्च, 25 क्विंटल हरी मटर, सिंथेटिक कलर और कई उपकरण बरामद किए हैं। जबकि इससे पहले थाना खुटार के सीचसी खुटार पर लगे स्वास्थ्य मेला कैंप में नकली काली मिर्च का मामला सामने आया था जहां लोगों के दबाव में वह मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया गया था।

विधायक ने सौंपा चेक, स्कूल से लौटते समय पेड़ गिरने से छात्रा की हुई थी मौत

बाराबंकी। फतेहपुर में पेड़ गिरने से छात्रा की मौत के बाद पीड़ित परिवार से मंगलवार को भाजपा विधायक सकेंद्र वर्मा ने मुलाकात की। परिवार को ढांढस बंधाते हुए आपदा राहत कोष से चार लाख रुपये की मदद की। आगे भी हर संभव मदद का भरोसा दिया। मामला फतेहपुर तहसील के ब्लॉक चौराहे का है। स्कूल में स्वतंत्रता दिवस मना कर साइकिल से घर लौट हरी हाईस्कूल की छात्रा सुहानी पर पेड़ गिर गया था। जिसके नीचे दबने से छात्रा की मौत हो गई थी। घटना के बाद भारतीय जनता पार्टी के विधायक साकेंद्र कुमार वर्मा ने तहसील कर्मचारियों को फोन कर परिवार को हर संभव मदद के आदेश दिए थे। मंगलवार को वह पीड़ित परिजनों से मिलने उनके घर पहुंचे। परिजनों को ढांढस बांधते हुए सरकार आपदा राहत कोष से चार लाख रुपये की मदद की। उन्होंने बालिका की मां को चेक सौंपा। साथ ही आगे भी हर संभव मदद का भरोसा दिया।

अमर सेनानियों के बलिदान का नतीजा है हमारी आजादी : जिलाधिकारी

प्रयाग दर्पण संवाददाता

बाराबंकी। जिलाधिकारी डॉ आदर्श सिंह ने आजादी की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर कलेक्ट्रेट परिसर में ध्वजारोहण किया, इसके उपरान्त उपस्थित अधि ाकारियों और कर्मचारियों को एकता और अखंडता की शपथ दिलाने के साथ जनपद वासियों को शुभकामनाएं ज्ञापित करते हुए परिसर में पौधरोपण किया। आजादी के अमृत महोत्सव पर गोष्ठी आयोजित की गयी। जिलाधि ाकारी डॉ. आदर्श सिंह ने कहा कि अनगिनत ज्ञात–अज्ञात अमर सेनानियों के बलिदान के नतीजे में हमें यह आजादी प्राप्त हुई। हमारा नैतिक दायित्व है कि हम अमर बलिदानियों के सपनों के भारत निर्माण में शत–प्रतिशत सहयोग प्रदान करें। राष्ट्रीय एकता, अखंडता, पंथनिरपेक्ष, सामाजिक समरसता, सामाजिक न्याय तथा साम्प्रदायिक सौहार्द की भावना को अक्षुण्ण बनाये रखने की दिशा में किया गया हमारा हर प्रयास ज्ञात–अज्ञात अमर सेनानियों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

डीएम ने कहा कि स्वतंत्रता के प्रतीकों के प्रति सम्मान का भाव उजागर हो। डीएम ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि जनपद में सभी धर्म और वर्ग के लोगों ने पूरे उत्साह और उमंग के साथ ''हर घर तिरंगा'' कार्यक्रम में शिरकत की और अपने–अपने घरों एवं प्रतिष्ठानों पर तिरंगा फहराया। कार्यक्रम के दौरान डीएम ने जनपद वासियों को स्वतंत्रता दिवस की बधाई भी दी। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित कार्यक्रम में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के आश्रितों को अंगवस्त्र, फल व मिठाई भेंट की। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी सहित कलेक्ट्रेट तथा परिसर स्थित अन्य कार्यालयों के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

6 आरोपियों को पुलिस ने भेजा जेल, जमीन विवाद में दो पक्षों में हुई थी मारपीट

गोण्डा। जिले में रविवार को कर्नलगंज तहसील क्षेत्र में मस्जिद के पास जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों में मारपीट की घटना हुई थी। मारपीट की घटना से नाराज होकर लोगों ने परसपुर मार्ग पर धरना प्रदर्शन किया था। जिस जमीन को लेकर मारपीट हुई थी उस जमीन का पहले से ही विवाद चल रहा था। जिसका मामला उच्च न्यायालय इलाहाबाद खंडपीठ लखनऊ में विचाराधीन है। रविवार को दोनों पक्षों के बीच जमीन की बात को लेकर विवाद हुआ था। सूचना पर तत्काल पुलिस अधीक्षक गोंडा आकाश तोमर द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण कर आरोपी अभियुक्तों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी के निर्देश दिये गए थे। एसपी के आदेश के बाद प्रभारी निरीक्षक परसपुर शमशेर बहादुर सिंह ने आज दोनों पक्षों की तरफ से हुई मारपीट की घटना में शामिल थाना परसपुर पुलिस ने 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है।

सरहद पर तेनात सिपाहियों व देश के प्रति हमारे दिल में सम्मान होना चाहिए : सांसद

बाराबंकी। आजादी का 75 वीं वर्षगाँठ अमृत महोत्सव के अंतर्गत 15 अगस्त को टाउनहॉल नगर पालिका नवाबगंज में राज्य मंत्री सतीश चंद्र शर्मा द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया जिसमें स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों व शहीदों के परिजनों का सम्मान समारोह, गायन एवं अन्य संस्कृत प्रस्तुतियां, कथक नृत्य कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों व उनके परिवार को अंग वस्त्र व मिष्ठान भेंट कर सम्मानित किया गया।

राज्य मंत्री सतीश चंद्र शर्मा ने बताया कि जिनके त्याग और बलिदान से हमें आजादी मिली है उनको मैं हृदय से नमन करता हूं और विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं आज आजादी के हम 75 वर्ष पूरे कर लिए हैं और जो सेना के लिए उपयोगी हथियार व शस्त्र हैं उसको पूरा करने के लिए प्रधानमंत्री निरंतर कार्य कर रहे हैं देश के राष्ट्रीय और अखंडता को मजबूत करने के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं।

सांसद उपेंद्र सिंह रावत ने कहा 15 अगस्त की आजादी के जशन हर घर तिरंगा के रूप में मनाया जा रहा है और सरहद पर रहने वाले सिपाहियों व देश के प्रति हमारे दिल में सम्मान होना चाहिए और आप देख रहे हैं देश के हर एक घर में झंडा महोत्सव मनाया जा रहा है।

कार्यक्रम के दौरान भारतवर्ष बड़े ही हर्षोल्लास , जोश , अतरंगता एवं सौमनस्य के साथ भारत की आजादी 75 वीं वर्षगाँठ ध आजादी का अमृत महोत्सव हर घर तिरंगा अभियान ध को राष्ट्रीय उत्सव के रूप में मना रहा है । यह उत्सव तिरंगे के प्रति देशभक्ति की भावना को जागरूक करना है तो वहीं दूसरी ओर परतंत्रता की बेड़ियों से स्वतंत्रता संग्राम की यात्रा व अमर शहीदों , वीर सपूतों , वीरांगनाओं के बलिदानों के प्रति श्रद्धासुमन व श्रद्धांजलि अर्पित करना है । इसी उद्देश्य को अग्रसर करते हुए राष्ट्रीय कथक संस्थान द्वारा बाराबंकी जनपद में कार्यक्रम श वन्देमातरम् श का प्रस्तुतीकरण किया गया। इसके उपरान्त ध सारे जहाँ से अच्छा ध देश भक्ति गीत को कथक के भाव दृ अभिनय के साथ बड़े ही सुरचिपूर्ण रूप में प्रस्तुत किया गया जिसमें भारत की अखंडता, एकता और राष्ट्रीयता दृष्टिगोचर हुई । प्रस्तुति के अगले चरण में भारत को आजादी दिलाने हेतु अमर वीर सपूतों, शूरवीरों और स्वतंत्रता सेनानियों को समर्पित ध गीत गया गया

इस अवसर पर जिलाधिकारी डॉ आदर्श सिंह, मुख्य विकास अधिकारी एकता सिंह, अपर जिलाधिकारी राकेश सिंह, जॉइंट मजिस्ट्रेट सुमित यादव, परियोजना निदेशक मनीष कुमार, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों व शहीदों के परिजन सहित दर्शक मौजूद रहे।

दस बिंदुओं के मूल्यांकन के आधार पर छात्रों मिलेगा रिजल्ट शिष्टाचार और अनुशासन हो प्राथमिकता

अयोध्या। माध्यमिक शिक्षा परिषद ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत नए सत्र–2022–23 का रिजल्ट जारी करेगा। इसके लिए सभी सरकारी अर्द्ध ासरकारी स्कूलों को दिशा निर्देश भेजे जा रहे है। शिक्षा नीति के तहत जारी नियमों के आधार पर स्कूलों में इस साल से नए तरह के प्रगति और अंक पत्र जारी किए जाएंगे। नए रिपोर्ट कार्ड में विद्यार्थियों के विषयवार अंक के साथ ही व्यवहार, शिष्टाचार और अनुशासन के साथ व्यक्तिगत स्वच्छता को प्राथमिकता दी गई है। इन्हें के मूल्यांकन के आधार पर बच्चों को ग्रेड दिया जाएगा। जो इनके अंक पत्र (रिजल्ट) में भी प्रदर्शित किया जाएगा। उत्तर प्रदेश में माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा मान्यता प्राप्त करीब 8459 विद्यालय है। इसमें 1करोड़ 25 लाख से अधिक छात्र–छात्राएं विभिन्न कक्षाओं में पढ़ाई कर रहे है। सत्र–2022–23 सत्र के विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ–साक इन दस बिंदुओं की कसौटी पर उतरना होगा। इसके आधार पर इन विद्यार्थियों का भविष्य भी तय होगा। शैक्षिक मूल्यांकन तो दूसरी ओर पाठ्यसहगामी और व्यक्तित्व का मूल्यांकन होगा। शैक्षिक मूल्यांकन में नंबर मिलेंगे, तो पाठ्य सहगामी और व्यक्तित्व मूल्यांकन में ग्रेडिंग दी जाएगी। माध्यमिक शिक्षा परिषद के निर्देश पर राजकीय और एडेड स्कूल में इसका प्रारूप भेजा गया है। शिक्षकों को अब बच्चों की अन्य गतिविधि पर भी ग्रेड देने होंगे। प्रगति पत्र में परिवर्तन का मूल उद्देश्य बच्चों के सर्वांगीण विकास पर जोर देने के साथ ही अभिभावकों से भी बेहतर सामन्जस्य बनाना है। अब तक कक्षाओं में अच्छे अंक प्राप्त करने वाले बच्चों को ही होनहार माना जाता है, लेकिन अब अनुसाशन, उपस्थिति, सांस्कृतिक आयोजन, शिक्षणोत्तर प्रतिभा, नेतृत्व गुण, स्वच्छता और सौम्य व्यवहार वाले बच्चों का रिपोर्ट कार्ड तैयार किया जाएगा। शासन सरकारी शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के प्रयास में जुटा है। विद्यार्थियों को जहां गणित, विज्ञान और कंप्यूटर लैब के अलावा निजी स्कूलों की तर्ज पर अन्य सुविधाएं दी जा रही हैं। अब उनकी पढ़ाई के साथ ही उनके व्यवहार पर भी कार्य किया जाएगा। इसके लिए माध्यमिक स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों का दस बिंदुओं पर रिपोर्ट कार्ड तैयार किया जाएगा। छात्र और छात्राओं के तार्किक चिंतन एवं समस्या समाधान की क्षमता, समय का अनुपालन, नियमितता, सृजनात्मकता, नेतृत्व क्षमता और खेलकूद में रुचि इत्यादि बिंदुओं को रिपोर्ट कार्ड में शामिल किया जाएगा।

दिव्यांग बच्चों के साथ अभिभावकों ने बनाया आजादी का अमृत महोत्सव

प्रयाग दर्पण संवाददाता

बाराबंकी। लखपेड़ाबाग में स्थित उम्मीद किरण स्पेशल स्कूल के दिव्यांग बच्चों ने बड़े ही उल्लास एवं उत्साह के साथ आजादी का पर्व मनाया। इस अवसर पर जीएसटी डिप्टी कमिश्नर अलका श्रीवास्तव एवं इनरव्हील क्लब की अध्यक्षा अनु सिंह ने संयुक्त रूप से आजादी के 75वे अमृत महोत्सव में ध वजारोहण किया। झंडारोहण के दौरान असिस्टेंट कमिश्नर वंदना सिंह, रेनू ,स्वास्तिक सिंह, प्रवीण सिंह, अधिवक्ता राम जी श्रीवास्तव, विजय श्रीवास्तव, तथा इनरव्हील क्लब की सुनीता जैन, मधु, बबीता बैसवार कुसुम , रजनी वर्मा, साधना वर्मा के साथ ही संस्था के समस्त पदाधिकारी हुआ सहयोगी गण उपस्थित थे।

आजादी के 75वे अमृत महोत्सव के पावन पर्व पर उम्मीद किरन स्पेशल स्कूल में झंडारोहण के उपरांत जीएसटी की डिप्टी कमिश्ननर अलका श्रीवास्तव ने दिव्यांग बच्चों एवं उपस्थित समूह को संबोधित करते हुए कहा की ऐसे दिव्यांग बच्चों को समाज से प्यार और दुलार की जरूरत है जिससे इनका विकास संभव हो सके। इस मुहिम को उम्मीद किरण स्पेशल स्कूल ने राह दिखाई है जिसके लिए पूरी संस्था बध ाई की पात्र है। उन्होंने कहा ऐसी संस्थाओं को सरकार द्वारा संरक्षण दिया जाना चाहिए। वही इनरव्हील क्लब की रेनू सिंह ने कहा कि संस्था द्वारा लंबे समय से मानसिक व शारीरिक रूप से कमजोर दिव्यांग बच्चों के लिए कार्य कर रही है, हमारी संस्था हर प्रकार का सहयोग देने का आश्वासन देती है। उन्होंने समाज के लोगों से अपील की ऐसी संस्था को सहयोग करें।

दिव्यांग बच्चों ने झंडारोहण के उपरांत सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करके उपस्थित समूह का मन मोह लिया । अंत में श्रीमती अर्चना श्रीवास्तव ने आए हुए अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

जिलाधिकारी ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कलेक्ट्रेट परिसर में किया ध्वजारोहण

प्रयागराज। वतंत्रता दिवस के अवसर पर कलेक्ट्रेट परिसर में जिलाधिकारी श्री संजय कुमार खत्री ने ध्वजारोहण किया तथा संगम सभागार में भारत माता की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। जिलाधिकारी ने संगम सभागार में आयोजित कार्यक्रम में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियो के परिजनों को अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने अपने सम्बोधन में कहा कि आज हम आजादी का अमृत महोत्सव मना रहें है। हर घर तिरंगा, घर–घर तिरंगा लहरा रहें है। हम उस जनपद के वासी है, जहां पर चन्द्रशेखर आजाद, अब्दुल मजीद और बहुत सारे हमारे देश भक्तों ने देश के लिए बलिदान दिया है। उन्होंने कहा कि यहां पर हर वर्ष माघ मेला, 06 वर्ष पर कुम्भ मेला और 12 वर्ष पर महाकुम्भ मेला लगता है। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारीगण, अपर नगर मजिस्ट्रेटगणों के अलावा सभी अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक, प्रकाशक स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य) द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1–ए, बेली रोड, नया कटरा, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर, 1269/1073 मां श्री आश्रम, मालवीय नगर, बाबा जी का बाग, प्रयागराज से प्रकाशित।

–: संस्थापक :–

स्व0 श्रीकांत शुक्ल उर्फ स्वामी कांतेश्वरानंद भारती काली बाबा

संपादक

स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य)

मोबाइल नंबर 9450475366

Email

prayagdarpan@gmail.com

R.N.I. NO.UPHIN/2014/59804

इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदाई तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।